राष्ट्रीय सेवा योजना – कार्यक्रम अधिकारी

क्र.सं.	कार्यक्रम अधिकारी का नाम	नियुक्ति तिथि	कार्यभार ग्रहण	दूरभाष नं0
1.	डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह (गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई)	17.12.2015	17.12.2015	94501489652
2.	डॉ0 यशवन्त कुमार राव (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई)	17.12.2015	17.12.2015	9198540757

(डॉ0 प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

प्राक्कथन

ज्ञान का महत्व सामाजिक एवं राष्ट्रीय सुदृढ़ता के लिए होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को सेवा, श्रम के मूल्य तथा ज्ञान के सदुपयोग के लिए सबल बनाती है। भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय ने इसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा के साथ–साथ युवाओं में राष्ट्रीय एवं सामाजिक कर्त्तव्य बोध कराने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् सामुदायिक विकास, राष्ट्रीय एकत्ता तथा अखण्डता के लिए निरन्तर संकल्पित रही है।

राष्ट्रीय सेवा–योजना द्वारा इस सत्र से अभिगृहित ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अंतर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को शत–प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवको/सेविकाओं तथा अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने ग्राम सभा मंझरिया के लिए विभिन्न समस्याओं पर सर्वे कार्य किया है, जैसे शिक्षा का स्तर, शौचालय की स्थिति, गम्भीर रूप से बिमार लोगों की स्थिति, पानी निकासी की व्यवस्था, जनसंख्या, मतदाताओं की स्थिति, रोजगार तथा पेय जल की स्थिति आदि। ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए इस सत्र में निरन्तर जागरूकता अभियान जैसे– स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग, पानी के उबाल कर पीने, एड्स तथा इंसेफेलाइटिस जैसी घातक बिमारियों से बचाव, सामाजिक कुरितियों अंधविश्वास, साक्षरता, मतदाता जागरूकता के माध्यम से जागरूक किया। मंझरिया ग्राम सभा की परियोजना अभी अधूरी है, अगले सत्र–2018–19 तक इसे धरातल पर लाने का पूर्ण प्रयास होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की वार्षिक रपट जीवन यात्रा के विकास का मूल्यांकन तो नहीं है, परन्तु उसके विकास के लिए किया गया प्रयास आधार अवश्य प्रस्तुत करता है। हमारा विश्वास है कि यदि लक्ष्य निश्चित है तो स्पष्ट दृष्टि और पूर्ण निष्ठा से किया गया कार्य, परिणाम तक पहुँचने में सफलता अवश्य मिलेंगी। पूर्ण विश्वासस एवं श्रद्धा के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की सत्र 2017–18 की वार्षिक रपट प्रस्तुत है। सम्पूर्ण सत्र का ब्योरा भारत माता के चरणों में समर्पित है।

हमें विश्वास है कि यह रपट अगले सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में अनुभव का कार्य करेगी।

(डॉ0 यशवन्त कुमार राव)
कार्यक्रम अधिकारी

(डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी

स्वामी विवेकानन्द पुण्य तिथि एवं पौधा रोपण कार्यक्रम

04 जुलाई, 2017 को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिपराइच के विधायक श्री महेन्द्र पाल सिंह ने 'आम' तथा 'मौलश्री' का पौधा लगाकर पौधारोपड़ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर स्वयं सेवक/सेविकाएं सहित सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया और कम से कम पांच पौधा सभी ने लगाए।

पौधारोपण के पश्चात् स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित व्याख्यान में बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का पूरा जीवन अपनी मातृभूमि और मानवता को समर्पित रहा है। स्वामी विवेकानन्द का जीवन किसी भी युवा के लिए आदर्श है। स्वामी विवेकानन्द प्रकाशपुंज की तरह आज भी प्रकाशित है व भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक एवं भारत माता को ही देवी मानकर पूजा करने वाले अद्वितीय साधक थे। भारत के कल्याण में ही अपना कल्याण देखने वाले स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि पर राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की शुद्धता अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। आज के भौतिकवादी जीवन और बाजारवादी व्यवस्था ने न केवल पर्यावरण और समाज को प्रभावित किया है बल्कि स्वस्थ जीवन के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में बनकर उभरा है। स्वस्थ और सुन्दर भारत की परिकल्पना भारत के महापुरूषों का ध्येय रहा है। ऐसे ही पुरूष विश्व सन्त स्वामी विवेकानन्द को हम जानते है उनका यह उद्घोष कि शिक्षा का उद्घोषणा शिक्षा विविध जानकारियों का ढेर नहीं है जो तुम्हारे मस्तिष्क में भर दिया गया है और जो आत्मसात हुए बिना वहीं पड़ा रहकर गड़बड़ मचाया करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा की हमें स्वामी विवेकानन्द के विचारों की अनुभूति कर लेने की आवश्यकता है जो जीवन निर्माण, मनुष्य निर्माण तथा चरित्र निर्माण में सहायक हों। हमें तो ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र बने, मानसिक वीर्य बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने कहा कि हरे–भरे पौधे आज के भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन शैली से ही रहे नुकसान को कम करने में रक्त संचार का कार्य करते है।

कार्यक्रम का संचालन श्री सुबोध मिश्र ने किया इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक आशीष राय, राहुल गिरि, आशुतोष चौहान, हिमांशु पाण्डेय, सौरभ जायसवाल, रवि प्रताप नागवंशी, अनुप कुमार, नम्रता पाण्डेय, रत्नेश नाथ योगी, अखिलेश सिंह, अमर नाथ दूबे, प्रतिमा सहानी, पूजा सहानी, जया सहानी, चन्द्रशेखर, शेषमणी, सुनील कुमार गुप्ता, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. प्रवीन्द्र शाही, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, सुबोध मिश्र, डॉ. आर.एन.सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, मनीता सिह, अम्रपाली वर्मा, नन्दन शर्मा, सुभाष गुप्त, महेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, प्रियंका मिश्र, प्रकाश प्रियदर्शी, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रतीक दास, डॉ. संजय तिवारी, श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ. अरूण कुमार राव, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र आदि ने पौधारोपण किया।

पौधरोपण करते शिक्षक, स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान

27 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत के **पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पीजे0 अब्दुल कलाम स्मृति दिवस** पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में **'संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति की भूमिका'** विषय पर डी0ए0वी पी0जी0 कालेज, गोरखपुर के राजनीति शास्त्र विभाग के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ0 पंकज तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत में राष्ट्रपति अभिभावक की भूमिका में रहें हैं और यही भारतीय संसदीय प्रणाली की ताकत भी है। लगभग 67 वर्षों के इतिहास में यह भूमिका और भी प्रखर हुयी है। इस कड़ी में पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की कार्य पद्धति विशेष उल्लेखनीय रही है। भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की भारतीय संसदीय इतिहास में उपस्थिति सदैव चमकते उस व्यक्तित्व के रूप में महसूस की जाती रहेगी जबतक लोकतांत्रिक परम्पराएं एवं मूल्य जिन्दा रहेंगे। उन्होंने न केवल संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को गौरवान्वित किया बल्कि भारतीय जनमानस के उस लोकप्रिय प्रतिनिधि के रूप में उभरे जहां अनेकता मे एकता, सहिष्णुता एवं बहुसंस्कृतिवाद उसकी संस्कृति का हिस्सा है। संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति भले ही नाममात्र का प्रधान होता है किन्तु उसकी उपस्थिति राजनीतिक शुचिता को बढ़ावा देने वाली और संसदीय गतिरोधों को कम करने वाली होती है। भारत की संसदीय परम्परा ने अपने काफी कम समय में ही गणराज्य को विभूषित करने वाले राष्ट्रपति पद को प्रतिष्ठित किया है। प्रत्येक राष्ट्रपति की भूमिका अपने समकालीन सन्दर्भ में उच्च गुणवत्ता युक्त रही है। हमें यह सदैव ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी शासन प्रणाली पूर्ण रूप से दोषरहित नहीं हो सकती और बेहतर की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। हमारी संसदीय प्रणाली भी तमाम गत्यावरोधों का सामना कर रही है किन्तु इसकी एक बड़ी उपलाब्धि यह है कि प्रायः सभी जटिल समस्याओं को व्यवस्था के भीतर ही सुलझा लिया गया है और इसमें हमारे राष्ट्रपतियों की भूमिका अहम रही है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परम्परा की वाहक रही है। अब तक के समस्त राष्ट्रपतियों ने अनेक संसदीय गतिरोधो के बीच एक बेहतरीन पथ का निर्माण किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि लोकतंत्रात्मक संस्थाओं के सफल कार्यकरण के लिए आवश्यक है कि वे जो इसका क्रियान्वयन करें, दूसरे के दृष्टिकोण को आदरपूर्वक देखने तथा समझौता और समायोजन के लिए तत्पर हों। बहुत कुछ जो संविधान में लिखा नहीं जा सकता उसे परंपराओं में डालकर अभिसमयों द्वारा किया जा सकता है। संविधान के कुछ भी प्रावधान क्यों न हो देश का कल्याण इस पर निर्भर करेगा कि उसका शासन कैसा है, निर्भर करेगा उनके शासकों पर। हमारे चुने गये प्रतिनिधि योग्य, ईमानदार, चरित्रवान और निष्ठा वाले होंगे तो वे संविधान की आत्मा को जीवंत कर देंगे।

इस अवसर पर डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 यशंवत कुमार राव, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह सहित राजनीति शास्त्र के विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा के स्वयं सेवक उपस्थित रहे।

गोरखपुर

आज गोरखपुर, शुक्रवार, २८ जुलाई, २०१७ ४

कलाम ने संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को गौरवान्वित किया-पंकज

गोरखपुर, २७ जुलाई। भारत के राष्ट्रपति अभिभावक की भूमिका में रहे हैं और यही भारतीय संसदीय प्रणाली की ताकत भी है। लगभग ६७ वर्षों के इतिहास में यह भूमिका और भी प्रखर हुयी है।

इस कड़ी में पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की कार्य पद्धति विशेष उल्लेखनीय रही है। भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति स्व. डा. एपीजे अब्दुल कलाम की भारतीय संसदीय इतिहास में उपस्थिति सदैव चमकते उस व्यक्तित्व के रूप में महसूस की जाती रहेगी जब तक लोकतांत्रिक परंपरा एवं मूल्य जिंदा रहेंगे। उन्होंने न केवल संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को गौरवान्वित किया बल्कि भारतीय जनमानस के उस लोकप्रिय प्रतिनिधि के रूप में उभरे जहां अनेकता में एकता, सहिष्णुता एवं बहुसंस्कृतिवाद उसकी संस्कृति का हिस्सा है।

यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के राजनीतिशास्त्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर आयोजित व्याख्यान

कार्यक्रम में संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति की भूमिका विषय पर बोलते हुए डीएवी पीजी कालेज गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रो. डा. पंकज तिवारी ने कही। संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति भले ही नाम मात्र का प्रधान होता है किंतु उसकी उपस्थिति राजनीतिक शुचिता को बढ़ावा देने वाली और संसदीय गतिरोधों को कम करने वाली होती है। भारत की संसदीय परंपरा ने अपने काफी कम समय में ही गणराज्य को विभूषित करने वाले राष्ट्रपति पद को प्रतिष्ठित किया है। प्रत्येक राष्ट्रपति की भूमिका अपने समकालीन संदर्भ में उच्च गुणवत्ता युक्त रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परंपरा की वाहक रही है और अब तक के समस्त राष्ट्रपतियों ने तमाम संसदीय गतिरोधों के बीच से एक बेहतरीन पथ का निर्माण किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि लोकतंत्रात्मक संस्थाओं के सफल कार्यकरण के लिये आवश्यक है कि वे जो इसका क्रियान्वयन करें, दूसरे के दृष्टिकोण को आदरपूर्वक देखने तथा समझौता और समायोजन के लिये तत्पर हों। बहुत कुछ जो संविधान में लिखा नहीं जा सकता, उसे परंपराओं में डालकर अभिसमयों द्वारा किया जा सकता है। इस अवसर पर डा. कृष्ण कुमार, डा. यशवंत कुमार राव, डा. अविनाश प्रताप सिंह सहित राजनीतिशास्त्र के विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम स्मृति दिवस में उपस्थित विद्यार्थी

शहीद बधु सिंह बलिदान दिवस

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **अमर शहीद बन्धू सिंह के बलिदान दिवस** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजनीति शास्त्र के विभागाध्यक्ष **डॉ0 अविनाश प्रताप सिह** ने कहा कि शहीद बन्धू सिह का नाम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम आन्दोलन में स्वर्णिम अक्षरों मे अन्नत काल तक अंकित रहेगा। **वह न केवल भारत माँ के सच्चे सपूत थे बल्कि गोरखपुर के गौरव भी थे।** जब अग्रेंजो से सिर उठाकर बात करने की हिम्मत जूटा पाना कठिन था उस समय बन्धू सिंह जैसा भारत माँ का लाल अग्रेंज सैनिकों का सिर काटकर भारत माँ को चढ़ाने जैसा कार्य आध्मय साहस ही था। उन्होंने पूर्वांचल में अग्रेंजो को जो सशक्त चुनौती दी उससे प्रथम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में नयी ऊर्जा का संचार हुआ था। अपने युद्ध कला के द्वारा कम संशाधन के बावजूद भी अग्रेंजों के दांत खट्टे कर दिये थे। जिसके प्रतिक्रिया के फलस्वरूप उनको खुलेआम अग्रेंजो द्वारा फांसी दी गई। उन्होंने फांसी के फंदे पर झूलते हुए भी अग्रेंजो को पराजित किया और स्वयं की इच्छा से ही फांसी के फंदे को गले लगाया। उनका बलिदान नवजवानों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम आन्दोलन को नई दिशा दी जो आगे चलकर अग्रेंजो के विरूद्ध आन्दोलन को संगठित करने में विशेष भूमिका का निर्वाहन किया। कार्यक्रम में संस्कृतिक प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता, बी0एड0 प्रथम वर्ग की छात्राध्यापिका सुश्री मीनाक्षी शर्मा, सुश्री प्रिया वर्मा ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल, डॉ0 रामसहाय, प्रदीप वर्मा, प्रियंका मिश्रा, अनुभा श्रीवास्तव, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 प्रज्ञेश मिश्र, विभा सिंह, डॉ0 अभय श्रीवास्तव, सुभाष गुप्ता, नन्दन शर्मा, डॉ0 प्रवीन्द्र कुमार सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर उपस्थित शिक्षक, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2017 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय पर्व' के रूप में समारोह आयोजित किया गया। ध्वजारोहण, उत्तर प्रदेश हिन्दी सेवा संस्थान की कार्यकारी अध्यक्ष प्रो0 सदानन्द गुप्त ने किया, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों/सेविकाओं ने देश भक्ति गीत, नृत्य, भाषण तथा सामाजिक समस्याओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक आदि से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएँ

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

08 सितम्बर, 2017 राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने आजादी से लेकर 7 दशक बाद भी साक्षरता दर में 12 प्रतिशत से लेकर 74 प्रतिशत के दर तक की यात्रा हमने तय की है जो कि अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता की दर 84 प्रतिशत से काफी पीछे है। आज भी निरक्षरों की संख्या के आधार पर भारत शीर्ष पर है। भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उतर–प्रदेश भी निरक्षर लोगों की संख्या के आधार पर शीर्ष पर है। यह भी सोचनीय है कि राष्ट्र और उसका प्रमुख राज्य दोनों ही अत्याधिक जनसंख्या के दबाव से ग्रसित है। उन्होने कहा कि पूर्वी उ0प्र0 में बहराइच और गोण्डा जिला निरक्षरता से ग्रसित है अतः यहां निरक्षरता उन्मूलन के लिए विशेष कार्य होना चाहिए। वस्तुतः पूर्वी उ0प्र0 जैसे पिछड़े जिले में सरकारी अनुदान साक्षरता प्रयासों का विशिष्टीकरण एवं एक जन आंदोलन द्वारा स्थितियों में सुधार लाया जा सकता है। इच वन, टीच वन (प्रति व्यक्ति द्वारा एक व्यक्ति को शिक्षित करने) के संकल्प द्वारा युवा इस निरक्षरता उन्मूलन को सार्थक परिणाम तक पहुँचा कर साक्षर भारत का स्वप्न पूर्ण कर सकतें है। साक्षरता से स्वास्थ्य, आजादी, सतत् समाज, महिला सशक्तिकरण, बालश्रमं समस्याओं सहित सभी समस्याओ का समाधान करने का मूल मंत्र साक्षरता है। साक्षर भारत ही, भारत को विश्व गुरू और महाशक्ति बन सकता है। उन्होंने बताया कि यह विश्व का 51वां साक्षरता दिवस है, जिसका बोध वाक्य–लिट्रेसी इन डिजिटल वर्ल्ड है।

आजादी के बाद से ही निरक्षरता उन्मूलन राष्ट्र के समक्ष एक बड़ी चुनौती रहा है। आज राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के माध्यम से जनजागरण का प्रयास एवं प्रौढ़ शिक्षा के पक्ष में वातावरण तैयार करना है। इसके पूर्व साक्षरता हेतु मशाल यात्रा, जनशिक्षा संस्थान द्वारा प्रदर्शनी, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता कराना, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कराना तथा विभिन्न सांस्कषतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगो को साक्षर बनाने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवन्त राव ने कहा कि– शिक्षा लैंगिक वैषम्यता के अन्तर को समाप्त करके ही हम साक्षर भारत की संकल्पना को साकार स्वरूप प्रदान कर सकते है। इस पर श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्री नन्दन शर्मा, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्रीमती विभा सिंह, डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री आम्रपाली वर्मा, डॉ0 के0के0 पाठक, डॉ0 राजेश शुक्ल, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री श्वेता चौबे, सुश्री प्रगति पाण्डेय सहित सभी प्राध्यापक एवं सैकड़ों छात्र–छात्राएं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहें।

6 | दैनिक जागरण गोरखपुर, 10 सितंबर 2017

साक्षरता के लिए करने होंगे प्रयास

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : आजादी के सात दशक बाद भले ही हमने साक्षरता दर में 12 प्रतिशत से लेकर 74 प्रतिशत की यात्रा तय कर ली है, लेकिन अभी भी हम अंतरराष्ट्रीय साक्षरता की दर 84 फीसद से काफी पीछे हैं। आज भी निरक्षरों की संख्या के मामले में भारत शीर्ष पर है। भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उतर प्रदेश भी निरक्षर लोगों की संख्या के आधार पर शीर्ष पर है। सरकारी अनुदान के साक्षरता प्रयासों का विशिष्टीकरण एवं एक जन आंदोलन द्वारा स्थितियों में सुधार लाया जा सकता है। साक्षरता को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे।

यह बातें राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप पीजी कालेज में वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डा.अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहीं। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहराइच और गोंडा जिला निरक्षरता से ग्रसित है, अतः यहां निरक्षरता उन्मूलन के लिए विशेष कार्य होना चाहिए। 'ईच वन, टीच वन' (प्रत्येक व्यक्ति द्वारा एक व्यक्ति को शिक्षित करने) के संकल्प द्वारा युवा इस निरक्षरता उन्मूलन को सार्थक परिणाम तक पहुंचा कर साक्षर भारत का सपना पूरा कर सकते हैं।

इस अवसर पर कालेज के एनएसएस प्रभारी डा. यशवंत राव ने कहा कि शिक्षा लैंगिक विषमता के अंतर को समाप्त करके ही हम साक्षर भारत की संकल्पना को साकार स्वरूप प्रदान कर सक[illegible] कार्यक्रम में कालेज के सभी शि[illegible], छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

व्याख्यान देते हुए श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं उपस्थित शिक्षक तथा स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

18.09.2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव प्रभारी वनस्पति विज्ञान विभाग ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत की जीवन परम्परा संतोष, संयम और सद्भाव की रही है। प्रकृति से प्रेम आक्र श्रद्धा जन–जन में व्याप्त रही है। आज वर्तमान विश्व जिस पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है उसकी जड़ में वस्तुओं का अत्यधिक उपभोग और असंतोष की प्रवृति महत्वपूर्ण है। भारतीय जीवन पद्धति मे वर्तमान पर्यावरण संकट का उपाय नीहित है। प्रकृति के साथ साम्यता में ही मानव जीवन की सुरक्षा है। **मनुष्य के कर्मों का ही फल है पर्यावरण में क्षरण।** वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद जीवन शैली ने जिस प्रकार से अन्धाधुन्ध उत्पादन और उपभोग को जीवन का मुख्य आधार बना लिया है,

उसी के परिणाम स्वरूप आज न केवल विश्व के सामने बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पर्यावरण का दूषित होना चिन्तनीय है। जीवन का हर क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रगति के साथ जोड़ने से प्राकृतिक सन्तुलन में बिखराव आया है। मनुष्य कभी भी प्रकृति पर न तो विजय प्राप्त कर सकता है, न तो उसे विखण्डित कर सकता है और न ही उसके मानव हितकारी रहस्य को पूरी तरह से समझ सकता है। उसी पर्यावरणीय संकट में एक बड़ा पृथ्वी का सुरक्षा कवच कहे जाने वाला ओजोन परत का विखण्डन होना भी है।

कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 यशवन्त कुमार राव** ने कहा कि ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव–भू–जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समस में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट–फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। इस गम्भीर संकट से उबरने का प्रयास यद्यपि की विश्व स्तर पर हो रहा है, जबकि उसकी अपेक्षा यह संकट और भी चुनौतिपूर्ण होता जा रहा है। समाधान अपरिहार्य है। संयमित जीवन शैली ही फिलहाल एक बड़ा उपाय दिखायी पड़ रही है।

गोरखपुर
रविवार, 17 सितंबर 2017
9

पर्यावरण क्षरण की वजह हमारे कर्म : डॉ. अभय

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शनिवार को विश्व ओजोन दिवस पर गोष्ठी हुई। एक्सपर्ट डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि देश की जीवन परंपरा संतोष, संयम और सद्भाव रही है। प्रकृति प्रेम और उसके प्रति श्रद्धा यहां जन-जन में व्याप्त रही है। वैश्विक बाजारवाद और उपभोक्तावाद के इस दौर में हम अपनी परंपरा को पीछे छोड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण क्षरण की वजह भी हम लोगों के कर्म ही हैं। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवंत कुमार राव ने कहा कि संयमित जीवनशैली फिलहाल इस संकट पर काबू पाने के लिए सबसे कारगर उपाय है।

व्याख्यान कार्यक्रम में सम्बोधन करते हुए डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव, शिक्षकगण, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस की पूर्व संध्या

23.09.2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर उद्‌बोधन करते हुए डॉ0 यशवंत कुमार राव ने कहा कि राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व के विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत साक्षरता सम्बन्धी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित लोगों की सहायता आदि ही इसका मुख्य उद्‌देश्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल लक्ष्य समाज सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे जिस समाज में कार्य करते है उसे समझने और उसे आत्मसात करनें का प्रयास करें।

इस अवसर पर डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि **श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए।** यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। किसी भी देश के विकास का मानव उसके युवाओं के कौशल पर निर्भर करता है। आज बहुत आवश्यकता युवाओं में कौशल का प्रशिक्षण किया जाना है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ सचेष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसके ज्ञान को महरायी और चमक प्रदान करती है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज के समय की यह मांग है कि शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहकर योग्य और दस युवाओं की फौज खड़ा करने का प्रमुख केन्द्र बने। आज का युवा कल का आधार स्तम्भ बनेगा। इसलिए यह आवश्यक है कि उसमें सामाजिक संवेदना, मानवीय चेतना के साथ–साथ असहाय गरीब व्यक्तियों की चिंता और उनमें उत्थान हेतु दृढ़ इच्छा शक्ति निरतंर बनी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने कहा कि आज बदलते हुए विश्व परिवेश भौतिक चकाचौंध में उलझ कर रह गया है। इस चुनौती का सामना भारतीय गुरुकुल व्यवस्था में तलासने की जरूरत है। इसलिए आज उस दिशा में प्रयास करके आधुनिक गुरूकुल का निर्माण महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रार्थना प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र सुश्री दीप्ती गुप्ता, सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहें।

व्याख्यान कार्यक्रम में सम्बोधन करते हुए डॉ0 यशवंत कुमार राव, शिक्षकगण, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्वर्ण जयंती समारोह
पोस्टर प्रतियोगिता

26 सितम्बर, 2017 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्वर्ण जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वनस्पति विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा याजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशवंत कुमार राव ने कहा कि पंड़ित दीनदयाल उपाध्याय भारत के राष्ट्रपुरुष थे। उन्होंने भारतीय राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन को एक नयी वैचारिक दिशा प्रदान की है जिस पर चलकर भारत एक विकसित राष्ट्र अवश्य ही बनेगा। उनका एकात्म मानववाद का दर्शन मानवता एवं राष्ट्रीयता की दृष्टि से संजीवनी है। दुनिया के इतिहास में सिर्फ मानव मात्र के लिए अगर किसी एक विचारदर्शन मे समग्रता में चिंतन प्रस्तुत किया है तो वह एकात्म मानववाद का ही दर्शन है। उनका दर्शन युवाओं के लिए उर्जा का स्रोत है जिसके माध्यम से राष्ट्र, समाज और मानवता के प्रति संवेदनशील युवा मन का निर्माण किया जा सकता है। आज भारत सहित पूरी दुनियाँ के सामने पर्यावरण का जो संकट खड़ा हुआ है उसका समाधान अनेक प्रयासो के साथ सबसे महत्वपूर्ण प्रयास व्यक्तियो में मानवीय मूल्य एवं संवेदना पैदा करना है। पोस्टर प्रतियोगिता भी ऐसे प्रयासो का एक प्रमुख हिस्सा है। पोस्टर बनाना एक मानक अधिगम है जो विद्यार्थियों को सीखने का अवसर प्रदान करता। ''पर्यावरण संकट एवं संरक्षण'' विषय पर जागरूकता के लिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बेहतर और कुछ नही हो सकता है। प्रतियोगिता में बी.ए., बी.एस–सी., बी.काम. एवं एम.काम. के कुल 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें प्रथम स्थान, देवेन्द्र पाण्डेय, बी. एस–सी द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान सुजीत कुमार, बी.एस–सी प्रथम व तृतीय स्थान, मनीषा श्रीवास्तव बी.काम तृतीय वर्ष, सांत्वना पुरस्कार सुधासागर, माधुरी उपाध्याय बी.एस–सी. प्रथम को प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव व सुश्री आम्रपाली वर्मा।

10 | दैनिक जागरण गोरखपुर, 26 सितंबर 2017

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन :

एमपीपीजी कालेज में पं. दीनदयाल जंयती पर स्नातक छात्रों के बीच पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र देवेंद्र पांडेय को मिला जबकि बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र सुजीत कुमार को दूसरा और बीकाम तृतीय वर्ष की मनीषा श्रीवास्तव को तीसरा स्थान मिला।

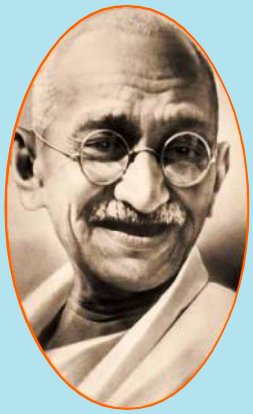

गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह

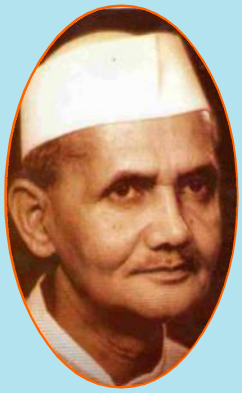

02 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में व्याख्यान, सास्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रमदान का आयोजन स्वयंसेवकों/सेविकाओं ने किया।

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर ध्वजारोहण तथा समारोह में उपस्थित विद्यार्थी

महर्षि वाल्मीकी जयन्ती पर जागरूकता अभियान

05 अक्टुबर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (गुरु श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्च महाराणा प्रताप) के तथा 50 शिक्षक अपने 500 विद्यार्थियों के साथ अपने–अपने विभाग द्वारा अभिगृहित उन्नतीस गाँवों में **महर्षि बाल्मिकी जयन्ती** के अवसर पर सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए **साक्षरता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को केन्द्र में रखकर जन–जागरण का महाभियान** कार्य सम्पन्न हुआ है। कहीं पर पिछड़ी दलित बस्तियों में स्वाच्छता का अभियान चला, कहीं छोटे बच्चों को विद्यालय जाने हेतु प्रेरित किया गया, कहीं पर खुले में शौच न जाने के महत्व को बताते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया गया, कहीं पर साफ–सफाई स्वस्थ्य जीवन के लिए इतना महत्वपूर्ण है पर प्रकाश डाला गया। इस क्रम में सबसे महत्वपूर्ण अभियान मंझरिया गाँव जो राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित किया गया है उसे इस वर्ष मॉडल गाँव के रूप में विकसित करने की योजना के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं तथा अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों के साथ साक्षरता, स्वच्छता और स्वास्थ्य हेतु जागरूकता अभियान के अर्न्तगत प्रत्येक घर का सर्वेक्षण एवं जन–जागरण किया। गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवा वितरण का कार्य विशेष रहा।

गोरखपुर। शुक्रवार • 6 अक्टूबर • 2017

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

महर्षि बाल्मिकी जयंती पर दलित बस्तियों में जागरूकता अभियान

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़

गोरखपुर (एसएनबी)। महर्षि बाल्मिकी जयन्ती पर महाराणा प्रताप पीजी कालेज के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने अपने सामाजिक सरोकार के तहत अभिगृहित 29 गांवों साक्षरता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का जनजागरण महाभियान चलाया। का कार्य सम्पन्न हुआ है। पिछड़ी मलिन बस्तियों में चले अभियान में स्वच्छता के साथ ही छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने को प्रेरित किया गया।

अभियान में 50 शिक्षक व 500 शिक्षक शामिल रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित गांव मंझरिया में महत्वपूर्णअभियान चलाया गया। इस गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना है। रासेयो स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं व अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों के साथ साक्षरता, स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रत्येक घर का सर्वेक्षण एवं जन-जागरण के साथ गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व दवा का वितरण किया गया। इसी क्रम में सभी विभागों ने अपने-अपनेअभिगृहित क्षेत्र में अभियान चलाया।

भूगोल विभाग ने सांसद आदर्श गांव जंगल औराही, बीएड विभाग ने हसनगंज, हिन्दी विभाग ने छोटी रेतवहिया, प्राचीनइतिहास ने हैदरगंज, अर्थशास्त्र विभाग ने महुआचाफी, समाजशास्त्र विभाग ने जंगल तिकोनिया, मनो विज्ञान विभाग ने छोटी जमुनहिया, राजनीतिशास्त्र ने बसंतपुर, रक्षा एवं स्त्रातजिक ने मीरगंज, कम्प्यूटर सांइस विभाग ने बड़ीजमुनहिया, गणित विभाग ने धोधड़ा, प्राणि विज्ञान विभाग ने लक्ष्मीपुर, रसायनशास्त्र ने रामपुर, भौतिकी ने भगवानपुर, वनस्पति विज्ञान ने सेखवनिया, सांख्यिकी ने केवटहिया, इलेक्ट्रानिक्स ने धूसिया, व वाणिज्य विभाग ने तिनकोनिया तथा रासेयो द्वारा मंझरिया गाँव में महर्षि बाल्मिकी जयन्ती पर गाँव के गरीब पुरूषों, महिलाओं एवं बच्चों की सेवा एवं उन्हें जन-जागरण कर महर्षि बाल्मिकी को श्रद्धांजलि दी गई।

जागरूकता रैली तथा साक्षरता, स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करते स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

वायुसेना दिवस की पूर्व संध्या कार्यक्रम

07 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए **भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। जब–जब भारत स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। बड़े से बड़े भयानक प्राकृतिक आपदा के समय वायु सेना की भूमिका अविस्मरणीय है। हर भारतीय का भारतीय सुरक्षा संस्थानों के प्रति अटूट श्रद्धा देखने को मिलती है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सेना ही वह सेवा केन्द्र है जहाँ भारत माँ की सच्ची सेवा का अत्यधिक अवसर उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है, किन्तु भारतीय वायु सेना के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है। तीसरे नम्बर की चीनी वायु सेना की ताकत के सामने अभी हम बहुत पीछे हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण भारतीय वायु सेना का यथोचित विकास अभी नहीं हो पाया है। अतः भारत को दुनिया की सैन्य शक्ति के मुकाबले अपने को खड़ा करना होगा।

व्याख्यान की अध्यक्षता **वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव** ने की तथा संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन करते हुए डॉ0 विजय कुमार चौधरी तथा डॉ0 आरती सिंह

हिन्दुस्तान 02

गोरखपुर • रविवार • 08 अक्टूबर 2017

भारतीय वायु सेना दुनिया में चौथे स्थान पर

व्याख्यान

डीडीयू

- वायु सेना दिवस की पूर्व संध्या पर डीडीयू में आयोजित हुई परिचर्चा
- उन्नत किस्म के सुखोई 30, मिराज, मिग 29 आदि लड़ाकू विमान हैं

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

अमेरिका, रूस व चीन के बाद विश्व में भारत की वायु सेना की गणना दुनिया के चौथे नंबर पर की जाती है। हमारे पास आज उन्नत किस्म के सुखोई 30, मिराज, मिग 29 आदि लड़ाकू विमान हैं। अमेरिका, रूस और चीन आज छठवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बना रहे हैं। अनमैन्ड कॉबेट एरियल वेहिकल (यूसीएवी) नाम के यह विमान बनाने में अब भारत भी तेजी से प्रगति कर रहा है। उम्मीद है कि जल्द हम पायलटलेस ड्रोन विमान बनाने में कामयाब हो जाएंगे।

ये बातें डीडीयू में वायु सेना दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित परिचर्चा में प्रो. हरिशरण ने कहीं। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों के जवाब देने को भारत खुद को तैयार कर चुका है।

वरिष्ठ शोधार्थी विजय कुमार ने इजराइल से खरीदे गए ड्रोन विमानों की क्षमता पर प्रकाश डाला। शोधार्थी सुकृत कुमार ने वायु सेना के योगदान व शौर्य का पावर प्वाइंट प्रेजेंटशन दिया। विषय प्रवर्तन शोध परिषद के अध्यक्ष अमित त्रिपाठी ने किया। संचालन एमए की छात्रा प्रतिमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एपी शुक्ला, प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, प्रो. श्रीनिवास मणि, प्रो. प्रदीप कुमार यादव व शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एमपी पीजी कॉलेज में भी हुआ पूर्व संध्या पर व्याख्यान : महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में भी वायु सेना स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय पर व्याख्यान हुआ। भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ भारतीय वायु सेना है। जब-जब भारत स्वतंत्र भारत पर दुश्मनों की कुदृष्टि पड़ी वायु सेना उन्हें धूल चटाई है। आज बहुत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवाओं को सेना में जाने का प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की तथा संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ.आरती सिंह ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थि रहे।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर व्याख्यान एवं भाषण प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 24 अक्टूबर, 2017 को संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपने स्थापना काल से ही विश्वयुद्धों को रोकने तथा अन्तर्राष्ट्रीय विवादो को सुलझाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्र संघ ने प्रथम विश्व युद्ध के बाद पराजित राष्ट्रों के पुनर्निर्माण तथा विकास के लिए कोई सम्यक प्रयास नही किया, परन्तु सयुंक्त राष्ट्रसंघ ने उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, आर्थिक शोषण से मुक्ति दिलाते हुए गरीब तथा विकासशील राष्ट्रों के विकास पर जोर दिया है। संयुक्त राष्ट्रसंघ की सहयोगी संस्थाएं गरीबी, अशिक्षा, संक्रामक बीमारियों से मुकाबला करने के लिए गरीब राष्ट्रो की मदद में तत्पर रहता है। आज आतंकवाद तथा सुरक्षा परिषद के विस्तार की बड़ी चुनौती उसके समक्ष है, किन्तु निरन्तर राष्ट्रों के सहयोग से इस समस्या का निदान ढूँढ़ने में सफल होगा। विश्व से हथियारों की प्रतिस्पर्धा जैविक, परमाणविक तथा रासायनिक हथियारों से मानव जाति की रक्षा करने में सफलता प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्रसंघ की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है कि जो 50 राज्यो से आरम्भ होकर 192 राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य है। संघ ने मिस्र, टर्की, इजराइल, फिलिस्तीन जैसे राष्ट्रो को उनका अस्तित्व प्रदान किया। हालांकि कश्मीर, अरब–इजराइल, वियतनाम जैसी समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है, फिर भी विश्व शांति स्थापित करने में अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह किया है। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, तथा अन्य शिक्षक एवं सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहे।

गोरखपुर
बुधवार, 25 अक्टूबर 2017
7

अमर उजाला

संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापना दिवस मना

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस मनाया गया। रासेयो प्रभारी डॉ. यशवंत राव ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्थापना काल से ही विश्वयुद्धों को रोकने, अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने में अहम भूमिका अदा किया है। संयुक्त राष्ट्र की सहयोगी संस्थाएं गरीबी, अशिक्षा, आदि से मुकाबला करने के लिए तत्पर रहती हैं। इस दौरान डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, दीप्ति गुप्ता, डॉ. महेंद्र आदि मौजूद थे।

संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

'भारतीय लोकतंत्र का भविष्य' विषय पर कार्यशाला

28 अक्टूबर, 2017 को राजनीतिशास्त्र विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित कि गई, जिसमें मुख्य अतिथि वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव जी ने कहा है कि राजनीतिशास्त्र की प्रयोगशाला समाज है और संसद समाज की राजनीतिक प्रतिनिधि है। जनभावनाओं के अनुरूप भारतीय लोकतंत्र अपने को जीवन्त बनाये रखते हुए समय–समय पर संशोधन करता रहा है। इसे बिडम्बना ही कहा जाएगा कि जिन खूबियो को ध्यान में रखकर हमने संसदीय लोकतंत्र को अंगीकार किया, उन पर हम खुद खरें नहीं उतरे। संसदीय लोकतंत्र की विशेषता होती है जनता के प्रति जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व। ये दोनो ही बातें आज चुनौती रूप में खड़ी हैं। क्योकि जनप्रतिनिधि न तो अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन ही पारदर्शिता से कर पा रहे है और नही जवाबदेही के स्तर पर संतोषजनक भूमिका निभा रहे। संसदीय लोकतंत्र एक श्रेष्ठ लोकतांत्रिक प्रणाली मानी जाती है। क्योकि इसमे पारदर्शिता, जवाबदेही, सुशासन के साथ जीवन्त विपक्ष की भी भूमिका होती है। संसदीय प्रक्रिया में नीतियों, मुद्दो पर खुली बहस होती है और सार्थक निर्णय लिए जाते है। महत्त्वपूर्ण कानून बनाये जाते है। देश को इसी संसद में बैठकर कार्यपालिका के लोग चलाते है। जो जनता द्वारा प्रतिनिधि के रूप में चुनकर पहुँते है इस कार्यशाला में अनुपम कुमार बी.ए. भाग एक, अल्का श्रीवास्तव एम.ए. भाग दो, विवेक कुंमार विश्वकर्मा, राहुल गिरी बी.ए. भाग दो, मनीता साहनी एम. ए. भाग एक, अम्बिका सिंह, शर्मिला प्रजापति बी.ए. भाग एक तथा अनेक विद्यार्थियो ने सहभागिता की इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. संजय तिवारी, सुश्री कविता मंध्यान आदि उपस्थित रहें। कार्यशाला का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने तथा आभार डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया।

कार्यशाला में सहभाग करते हुए विद्यार्थी तथा मंचासीन डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 कृष्ण कुमार एवं डॉ0 यशवंत कुमार राव

आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती समारोह

आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती व कार्तिक एकादशी के अवसर पर छात्रसंघ की साधारण सभा का आरम्भ दोनों महापुरूषों की श्रद्धांजली के साथ हुआ। छात्रसंघ की इस साधारण सभा में 22 छात्र–छात्राओं के साथ कुल 26 बिन्दुओं पर विमर्श किया गया। जिसमें पौधों के नामकरण, प्रोजेक्टर युक्त प्रायोगिक कक्षाएँ, छात्राओं के लिए सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण की व्यवस्था, परास्नातक भूगोल पाठ्यक्रम आरम्भ करने, सिविल सर्विसेज कक्षाओं के संचालन, राष्ट्रगान, गणवेश, डिजिटल घंटी, जेनरेटर संचालन, पंखा सभी पाठ्यक्रमों में विषय के उपयुक्त चयन हेतु काऊंसिलिंग, शिक्षकों के बात करने का तरीका, प्रमाण पत्र वितरण, दीवाल पत्रिका आदि सम्बन्धित विषयों पर सुझाव दिया गया। सभी विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का प्राचार्य द्वारा समाधान किया गया। कार्यक्रम में श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, एम0काम0 अंतिम वर्ष, देवेन्द्र पाण्डेय, बी0एस–सी0 द्वितीय वर्ष, अंजली चौरसिया बी0एस–सी0 प्रथम वर्ष, सुशील कुमार सिंह बी0एड्0 प्रथम वर्ष, दीपक प्रजापति एम0काम प्रथम, माधुरी उपाध्याय बी0एस–सी0 प्रथम वर्ष, प्रियंका गुप्ता बी0ए0 तृतीय वर्ष, आराधना निषाद बी0काम0 प्रथम, सिद्वार्थ कुमार शुक्ल एम0काम0 अंतिम वर्ष, संध्या विश्वकर्मा बी0ए0 प्रथम वर्ष, रवि प्रताप नागवंशी बी0ए0 तृतीय वर्ष, श्रेया शुक्ला बी0एस0सी0 द्वितीय वर्ष, आदि ने आम सभा में समस्याएँ रखीं। छात्र–छात्राओं द्वारा परिसर को स्वच्छ रखने तथा परिसर में अनुशासन बनाए रखने का संकल्प लिया गया। छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने सभी के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से छात्रसंघ का कुशल संचालन करने का आवाहन् किया। प्राचार्य ने छात्रसंघ की साधारण सभा को आयोजित करने के लिए छात्रसंघ को बधाई दी। साधारण सभा में डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 राजेश शुक्ल, डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल, डॉ0 यशवंत राव, डॉ0 आरती सिंह, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ती गुप्ता सहित भारी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित छात्रसंघ द्वारा आयोजित साधारण सभा में उपस्थित शिक्षक, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें तथा अन्य विद्यार्थीगण

राष्ट्रीय एकता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता

31 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'एकता दिवस' के अवसर पर एक निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कुल 12 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसमें शिखा सिंह, बी0एड्0 द्वितीय वर्ष छात्रा प्रथम स्थान, गौरव जायसवाल, बी0एड्0 प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान तथा उर्वशी चावला, बी0एड्0 प्रथम वर्ष की तृतीय स्थान पर रहीं।

निबन्ध प्रतियोगिता में सहभाग करते हुए विद्यार्थी तथा स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

स्वैच्छिक श्रमदान एवं पं0 मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर निबन्ध प्रतियोगिता

11 नवम्बर, 2017 को पं0 मदन मोहन मालवीय की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में स्वैच्छिक श्रमदान आयोजित किया गया। शिक्षण संस्थाएँ भी घर की भांति स्वच्छ होनी चाहिए, क्योंकि स्वच्छ स्थान पर सरस्वती का वास होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वेच्छा से स्वच्छता अभियान में भागीदार होना चाहिए। महाविद्यालय प्रतिवर्ष के शैक्षिक पंचांग के अनुसार स्वच्छता अभियान को विशेष महत्व देता रहा है। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को 11.40 से 12. 50 तक 01 घण्टा 10 मिनट किया जाता है। जिसमें गुरु गोरक्षनाथ इकाई तथा हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक/सेविकाएँ, कार्यक्रम अधिकारी शिक्षक तथा प्राचार्य सम्मिलित होते है। सभी स्वयं सेवक/सेविकाओं को 22 टोली में विभक्त होकर श्रमदान करते है जिनका नेतृत्व शिक्षक, प्राचार्य तथा कार्यक्रम अधिकारी करते है। (टोली प्रमुख शिक्षक को अपनी टोली के साथ निर्धारित स्थान पर श्रमदान करते हैं। जैसे, शौचालय, लॉन, वाचनालय, बालीवाल तथा बैड़मिण्टन ग्राउण्ड, शिक्षक कक्ष वाचानालय आदि।) शौचालय से लेकर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर तथा मुख्य भवन के सामने की सड़क की सफाई की जाती है। स्वैच्छिक श्रमदान का उद्देश्य शिक्षकों तथा छात्रों में 'श्रम के प्रति भावना' को समाप्त करना है, उसके मूल्य को समझाना है। चाहे उसका पद एवं स्थिति कुछ भी हो।

संस्थापक सप्ताह समारोह एवं युवा महोत्सव
सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

महाविद्यालय में 15 से 23 नवम्बर तक मनाये जा रहे संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में कुल 95 प्रतिभागियो ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान अमन कुमार बी.एड. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान अर्चना सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान राघवेन्द्र बी. ए. तृतीय वर्ष तथा सांत्वना पुरस्कार सुशीला राय बी.एड. प्रथम वर्ष को घोषित किया गया। निर्णायक मण्डल सदस्य श्री अभिषेक वर्मा, डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, डॉ. यशवन्त राव, सुश्री मनीता सिंह तथा डॉ. कुसुम लता सिंह रहें। प्रतियोगिता संयोजक श्री अभिषेक वर्मा तथा डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने सभी प्रतिभागियो को प्रोत्साहित करते हुए विजेताओं को बधाई दी।

गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस

24 नवमबर, 2017 को गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर सम्बोधन करते हुए बी0एड्0 प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिह ने कहा कि गुरू तेग बहादुर सिक्खों के गुरू थे जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। गुरू तेग बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था। गुरू जी गुरू हरगोविन्द सिह जी के पांचवे पुत्र थे। सिखों के आठवें गुरू हरकिशन राय जी की मृत्यु के पश्चात् गुरू तेगबहादुर जी को गुरूगद्दी पर बिठाया गया था। गुरू तेग बहादुर जी ने मात्र 14 वर्ष की आयु मे अपने पिता के साथ मुगलों से लोहा लेते हुए अपनी वीरता का परिचय दिया था। जिस समय औरंगजेब ने सबके इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दिया और कहा कि इस्लाम धर्म अपनाओ नहीं तो मौत को गले लगाओ उस समय गुरू तेग बहादुर जी ने कहा कि औरंगजेब से जाकर कह दो यदि मैंने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो सभी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे यदि औरंगजेब असफल रहा तो कोई भी इस्लाम ग्रहण नहीं करेगा।

जब गुरू जी औरंगजेब के दरबार में गये तो उन पर अत्याचार किए गए। गुरू जी ने औरंगजेब से कहा कि तुम जबरदस्ती लोगों से इस्लाम ग्रहण करवा रहे हो तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो। गुरू जी बात सुनकर औरंगजेब ने क्रोधित होकर उनका शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया गुरू जी डटे नहीं बल्कि हंसते–हंसते बलिदान दे दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक **सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती कविता मंध्यान, श्री विनय सिंह, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता** सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। ऐसे महान बलिदानी महापुरुष को पूरा महाविद्यालय श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

विश्व एड्स दिवस पर जनजागरण रेली आदर्श गांव (मंझरिया)

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 01 दिसम्बर 2017 को 'विश्व एड्स दिवस' पर एक व्याख्यान तथा जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा कि सन् 1981 में पहली बार एड्स नामक बिमारी की पहचान अमेरिका में की गयी। दक्षिणी अफ्रीका में रिश्मू बन्दर में यह वाइरस अप्राकृतिक परागण द्वारा मनुष्य में पाया गया। जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 01 दिसम्बर 1988 को विश्व एड्स घोषित किया। एड्स आधुनिक युग का सबसे घातक और जानलेवा रोग है। इस रोग से मानव में प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है जिससे कोई भी विमारी जानलेवा बन जाती है। एड्स रोग एच. आई.वी. विषाणु के संक्रमण से होता है । यह संक्रमण मानव शरीर में धीरे–धीरे लगभग 8–10 वर्षो में पूरी तरह से सक्रिय होता है। जिसका इलाज संभव नही हो पाता है। सम्पूर्ण विश्व में सन् 1981 से अब तक 7.61 करोड़ लोग पीड़ित हो चुके है और 3.5 करोड़ लोगों की मृत्यु हो चुकी है। भारत विश्व में एड्स पीड़ितों की संख्या में चौथे स्थान पर है। उन्होने कहा कि एच.आई.वी. संक्रमित इंजेक्शन से, एच.आई.वी. संक्रमित रक्त प्राप्त करने तथा एड्स संक्रमित माँ के दूध से बच्चे को या दाढ़ी बनाते समय संक्रमित ब्लेड से यह बिमारी फैलती है। इससे केवल बचाव के उपाय किए जा सकते हैं जैसे– अपने साथी के प्रति वफादारी निभायें, संक्रमित इंजेक्शन या ब्लेड का प्रयोग न करें या संक्रमित खून न चढ़ाए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने किया तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती कविता मंध्यान्, सुश्री दिप्ती गुप्ता जी, श्री सुभाष गुप्ता,

जनजागरण रैली सहभाग करते हुए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

प्रकाशित समाचार पत्र

11 • गोरखपुर • शनिवार • 02 दिसम्बर 2017 • हिन्दुस्तान

रैलियों के नाम रहा विश्व एड्स दिवस

गोरखपुर। कार्यालय संवाददाता

विश्व एड्स दिवस पर शुक्रवार को अलग-अलग कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने रैलियों व गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। वक्ताओं ने कहा कि एचआईवी के प्रति जागरूकता ही बचाव है। एनएसएस स्वयंसेवकों ने नारा दिया एड्स का ज्ञान बचाए जान।

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में व्याख्यान तथा जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। व्याख्यान में वनस्पति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सन 1981 में पहली बार एड्स नामक बीमारी की पहचान अमेरिका में की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1 दिसम्बर 1988 को विश्व एड्स घोषित किया। एड्स आधुनिक युग का सबसे घातक और जानलेवा रोग है। इस रोग से मानव में प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है जिससे कोई भी बीमारी जानलेवा बन जाती है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। सरस्वती विद्या मंदिर महिला पीजी कॉलेज में बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्रो. डीके श्रीवास्तव ने व्याख्यान में कहा कि इस बीमारी के बारे में सभी को जानना चाहिए। जागरुकता ही इस बीमारी से बचाव है।

उन्होंने आइसोलेशन, डिस्क्रिमिनेशन और ट्रांसमिशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. पूनम सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। सीआरडी महिला पीजी कॉलेज में एड्स से न रहो अनजान, सामना करो सीना तान आदि नारों के साथ जागरुकता रैली निकाली। रैली थवई पुल से बक्शीपुर, टाउनहाल, गणेश चौराहा, विजय चौराहा होकर कॉलेज पहुंची।

एड्स का ज्ञान बचाएगा जान

एड्स दिवस पर महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को दी गई आवश्यक जानकारी

रैली के साथ चलती मंडलायुक्त, डीएम व एसएसपी की पत्नी

रैली निकालती रमावती देवी चन्द्रावती देवी महिला डिग्री कालेज की छात्राएं

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने लोगों को एड्स से बचाव के लिए जागरूक किया तो कई महाविद्यालयों में संगोष्ठियां आयोजित कर युवाओं को एड्स विषयक आवश्यक जानकारी दी गई। सरस्वती विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय, आर्यनगर में आयोजित संगोष्ठी में बीआरडी मेडिकल कालेज के सोशल प्रिवेंटिव मेडिसिन विभाग के प्रो. डीके श्रीवास्तव ने छात्राओं को एड्स और एचआइवी के बारे में जानकारी देते हुए विश्व एड्स दिवस की इस वर्ष की थीम आइसोलेशन, डिस्क्रिमिनेशन और ट्रांसमिशन के बारे में बताया। इसी तरह मारवाड़ बिजनेस स्कूल में प्रो. वीएन सर्राफ ने एचआइवी के बढ़ते संक्रमण से उपजी चुनौतियों से स्वयंसेवकों को आगाह किया। प्राचार्य डा. संतोष मणि त्रिपाठी ने विस्तृत विश्लेषण करते हुए एचआइवी संक्रमण की गहन जानकारी दी। एड्स दिवस पर महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में आयोजित विशेष व्याख्यान में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को एड्स के इतिहास की जानकारी दी। दिवस विशेष पर दिग्विजय नाथ पीजी कालेज में एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें 46 स्वयंसेवकों ने भाग लेते हुए अपने विचार रखे। इसी क्रम में चंद्रकांति रमावती देवी महिला महाविद्यालय की एनएसएस स्वयंसेविकाओं, एनसीसी कैडेटों, बीएड और एमएड की छात्राओं सहित करीब 200 छात्राओं ने रैली निकाल कर लोगों को एड्स से बचाव की जानकारी दी।

अधिवक्ताओं ने किया कार्य बहिष्कार

गोरखपुर : अपर नगर आयुक्त कार्यालय में अधिवक्ता उपेंद्र धर दूबे के साथ हुई मारपीट व लूटपाट की घटना के खिलाफ अधिवक्ताओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले के अधिवक्ता शुक्रवार को न्यायिक कार्य से विरत रह कर विरोध जताते हुए तत्काल अभियुक्तों के गिरफ्तारी की मांग किए। जिला अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार त्रिपाठी, मंत्री रवींद्र श्रीवास्तव, बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के अध्यक्ष अभिमन्यु पाण्डेय, मंत्री प्रियानंद सिंह ने बताया कि तत्काल कोई कार्यवाही न होने पर चार दिसंबर को अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त से मिलेगा।

शिकायतकर्ता पर किया जानलेवा हमला

गोरखपुर : हिस्ट्रीशीटर धीरेंद्र मोहन उर्फ डिस्को तिवारी के घरवालों ने शुक्रवार को सुबह शिकायतकर्ता पर हमला कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को तमंचा और तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी के निर्देश पर देर शाम हत्या के प्रयास, मारपीट व धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया। पीपीगंज के भीटी तिवारी के हिस्ट्रीशीटर डिस्को के खिलाफ गांव के सुदामा गौड़ ने एसएसपी से शिकायत की थी। पुलिस दबाव के कारण पुराने मामले में गुरुवार को डिस्को ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसको लेकर उसके भाई सीआरपीएफ जवान अनादि नाथ तिवारी और सुदामा के बीच तनाव बढ़ गया।

जनजागरण रैली

04 दिसम्बर, 2017 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर लगभग 50 से अधिक सस्थाओं ने जन–जागरण रैली में सहभाग किया। यह जन–जागरण रैली दिग्विजयनाथ पी0जी0 कालेज से आरम्भ होकर टाऊन हाल, विजय चौक, गोलघर होते हुए महाराणा प्रताप इण्टर कालेज मं सम्पन्न हुई। संस्थापक सप्ताह समारोह रैली में स्वाधीनता संग्राम से लेकर सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक समस्याओं के ज्वलन्त मुद्दों को अपनी झांकी द्वारा समस्याओं शहरवासियों को प्रभावित करने के लिए विवश किया। इस समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, उत्तराखण्ड थे। इस रैली में परिषद की संस्थाओं के अतिरिक्त ग्रामवासी इण्टर कालेज विश्वनाथ चौक सोनौरा बुजुर्ग कैम्पियरगंज, सरस्वती शिशु मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुरजकुण्ड तथा सुभाष नगर जैसी संस्थाएं सम्मिलित हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों (गुरू श्री गोरखनाथ एवं महाराणा प्रताप ईकाई) के स्वयंसेविकाओं में उत्साह पूर्वक सहभाग किया।

तीन तलाक से मुक्ति के उद्घोष और मोदी-योगी की यह झांकी जहां से गुजरी वहीं चर्चा का विषय

जनजागरण रैली में सहभाग करते हुए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

संस्थापक सप्ताह का समापन समारोह
(मुख्य महोत्सव कार्यक्रम)

10 दिसम्बर, 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 85वें संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह गोरक्षनाथ मन्दिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रिय मानव संसाधन जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा पुनरूद्धार राज्यमंत्री डॉ0 सत्यपाल सिंह ने कहा कि छात्रो को मनुष्य के रूप में तैयार करने में माता–पिता गुरू की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाएं समाज तथा राष्ट्र विकास की अपनी भूमिका का निर्वहन कर समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करती देश का सौभाग्य है कि योगी आदित्यनाथ इस देश के सबसे बड़े प्रदेश के मुख्य मंत्री है। यह कार्यक्रम छात्रों की भावी पीढ़ी को दिशा देने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उनमें अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत करनें में मील का पत्थर साबित होगा। संस्थापक समारोह में स्वयंसेवक राहुलगिरि बी0ए0 भाग दो श्रेष्ठतम विद्यार्थी का ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

2 दैनिक जागरण गोरखपुर, 11 दिसंबर 2017

पुरस्कृत हुए तो खिल उठे चेहरे, बढ़ गया हौसला

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित हुआ समापन कार्यक्रम

दो पुरस्कारों का हुआ लोकार्पण

समारोह का समापन

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का हुआ समापनसंपूर्वक समापन
- मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय राज्यमंत्री डा. सत्यपाल के हाथों पुरस्कृत हुए विजेता प्रतिभागी

इन्हें मिला महत्वपूर्ण पुरस्कार

प्रथम एकदिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा अमर उजाला फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 20.12.2017 को ग्राम सभा जंगल तिनकोनिया नं0 2 में प्रथम एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाएँ हाथों इंसेफेलाइटिस से बचाव के उपाय लिखी तख्तियां लिए रैली निकाले, स्वयंसेवियों की चार टोलियों ने घर–घर जाकर लोगों को इंसेफेलाइटिस से बचाव के लिए साफ सफाई तथा बचाव के उपाय की जानकारी दी।

रैली का समापन गाँव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में संगोष्ठी के साथ हुआ। इसमें अपर निदेशक चिकित्सा, स्वास्थ्य परिवार कल्याण दफ्तर में तैनात एव गोरखपुर मण्डल के संयोजक डॉ0 वी0के0 श्रीवास्तव ने बीमारी के कारण, लक्षण, और बचाव पर विस्तार से जानकारी दी। इस अभियान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

भारत–भारती पखवारा : उद्घटन कार्यक्रम
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती दिवस की पूर्व संध्या

11 जनवरी, 2018 को भारत–भारतीय पखवारा के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में स्वामी विवेकानन्द की जयंती के पूर्व संध्या दिवस पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं भौतिकी के आचार्य . . . . . ने कहा कि धर्म भारत की आत्मा है, वेदांत उसका जीवन दर्शन है। धर्म और विज्ञान का अटूट संगम भारतीय मनीषा को दिगदिगंत से प्रज्जवलित करती रही है। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के इसी धर्म दर्शन की ताकत को विश्व से परिचित कराया। स्वामी जी भारतीय ज्ञान परम्परा की अटूट धरोहर हैं वे भारत भूमि के अनुपम पूजारी थें। भारत की अनेक चुनौतियों का समाधान भी स्वामी विवेकानन्द के दर्शन से सहज ही प्राप्त हो जाता है। उन्होनें मानव सेवा के उद्देश्य से भारत सहित दुनिया का जिस प्रकार से मार्गदर्शन किया वह आज भी प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानन्द पाश्चात्य जगत के सामने भारतीय धर्म दर्शन की व्यापक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर संसार में मानवता का संदेश दिया। स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में समाजिक समरस्ता कूट–कूट कर भरी है उन्होनें छूआ–छूत को राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए सबसे बड़ा खतरा माना और इसी कारण मानव–मानव के बीच प्रेम व सद्भाव को अपने चिंतन का केन्द्रीय विषय बनाया।

स्वामी जी अवतारी महापुरुष थे जिन्होने हिन्दुत्व को कण–कण में व्याप्त कर दिया। उनका यह उद्घोष कि ''मै भारतवासी हूँ प्रत्येक भारतवासी मेरा भाई है। भारतवासी मेरे प्राण हैं। भारत के देवी–देवता मेरे ईश्वर हैं। भारत वर्ष का समाज मेरे बचपन का झुला है, मेरे यौवन की फुलवारी और बुढ़ापे की काशी है। भारत की मिट्टी मेरा स्वर्ग है। भारत के कल्याण में ही मेरा कल्याण है।'' के द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता का अद्भुत संदेश दिया। सच्चे अर्थो में स्वामी विवेकानन्द हिन्दू धर्म दर्शन के पुनर्उद्धारक और प्रणेता थे। इसी कारण उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता के रूप में भी देखा जाता है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आज के आत्म केन्द्रीय जीवन शैली, जो निरंतर हमे अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूर करती जा रही है, पर विजय प्राप्त करने में स्वामी विवेकानन्द का विचार एवं दर्शन रामबाण की तरह कार्य करेगा। स्वामी जी श्रीमद्भगवद गीता के कर्मयोग से अत्यन्त प्रभावित थे इसी कारण उन्होने धर्म दर्शन को मानव सेवा और राष्ट्रसेवा के रुप में अभिव्यक्त किया। समाज के प्रत्येक पिछले वर्ग का उत्थान उनके चिंतन का केन्द्रिय विषय है। इस सम्बन्ध में स्वामी जी का विचार कि जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी है, तब तक मै उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ, जो उनके बल पर शिक्षित तो बना, परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नही देता, हमें निरंतर मानव सेवा और राष्ट्र सेवा हेतु प्रेरित करता रहता है।

कार्यक्रम मे आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजन प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव व संचलान कार्यक्रम अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव एवं भारत–भारती पखवारा कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती कविता मन्ध यान, डॉ0 राजेश शुक्ला, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ मृत्युजंय कुमार सिंह, डॉ0 अभिषेक सिंह, सुबोध कुमार मिश्र, विनय कुमार सिंह, रवि प्रताप नागवंशी, राहुल गिरी, विवेक विश्वकर्मा सहित शिक्षक, स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • शुक्रवार • 12 जनवरी 2018

युवा दिवस
स्वामी विवेकानन्द जयंती आज

विवेकानंद ने धर्म दर्शन से दुनिया को परिचित कराया

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं भौतिकी के आचार्य प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि धर्म भारत की आत्मा है और वेदांत उसका जीवन दर्शन है। धर्म और विज्ञान का अटूट संगम भारतीय मनीषा को दिगदिगंत से प्रज्जवलित करती रही है। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के इसी धर्म दर्शन की ताकत को विश्व से परिचित कराया।

प्रो. सिंह गुरुवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द की जयंती के पूर्व दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी जी भारतीय ज्ञान परम्परा की अटूट धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया का जिस प्रकार से मार्गदर्शन किया वह आज भी प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानन्द ने पाश्चात्य जगत के सामने भारतीय धर्म दर्शन की व्यापक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर संसार में मानवता का संदेश दिया।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित शिक्षकगण, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकायें

'भारत के आर्थिक विकास में जी0एस0टी0 की भूमिका' निबन्ध प्रतियोगिता

भारत–भारतीय पखवारा के अन्तर्गत दिनांक 12.01.2018 को ''भारत के आर्थिक विकास में जी0एस0टी0'' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा सेविकाओं के अतिरिक्त अन्य कक्षाओं के कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी0ए0 प्रथम वर्ष के छात्र अंकित कुमार पाण्डेय, द्वितीय स्थान पर बी0ए0 प्रथम वर्ष के छात्र अमन कुमार राणा एवं तृतीय स्थान पर बी0एस–सी0 तृतीय वर्ष के छात्र राकेश कुमार चौरसिया पर रहें। इसमें प्रतियोगियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवंत राव ने कहा कि 'जी0एस0टी0', 'वन नेशन वन टैक्स' प्रणाली है जिसमें वस्तु एवं सेवा से सम्बन्धित करों का भुगतान किया जाता है। इस प्रणाली से करों (टैक्स) के मकड़जाल से निजात मिलेगी और देश के निर्माण एवं विकास में सहयोग सुनिश्चित होगा।

कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती कविता मन्ध्यान ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में विजय और पराजय, सफलता या असफलता महत्वपूर्ण नहीं है, जी0एस0टी0 को समझना तथा भारतीय जनमानस को जागरूक करना है।

इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री नंदन शर्मा, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 सुभाष गुप्ता, सुश्री प्रगति पाण्डेय, श्री प्रकाश प्रियदर्शी एवं डॉ0 कृष्ण कुमार जी उपस्थित थे।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थी, स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं

हिन्दुस्तान गोरखपुर • शनिवार • 13 जनवरी 2018 • 06

आर्थिक विकास तेज करने वाली कर प्रणाली है जीएसटी

गोरखपुर। भारत-भारती पखवारा के तहत एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में भारत के आर्थिक विकास में जीएसटी विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेटों के अलावा अन्य कक्षाओं के 25 छात्रों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान पर अंकित कुमार पाण्डेय, द्वितीय स्थान पर अमन कुमार राणा एवं तृतीय स्थान पर राकेश कुमार चौरसिया रहे। अधिकतर प्रतिभागियों ने अपने निबंध में जीएसटी को आर्थिक विकास तेज करने वाली कर प्रणाली बताई। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. यशवंत राव ने कहा जीएसटी, वन नेशन वन टैक्स प्रणाली है जिसमें वस्तु एवं सेवा से सम्बन्धित करों का भुगतान किया जाता है। इस से करों के मकडजाल से निजात मिलेगी। इस मौके पर नंदन शर्मा, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर, शनिवार, १३ जनवरी २०१८

निबंध प्रतियोगिता में अंकित प्रथम

गोरखपुर, १२ जनवरी। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालयमें भारत-भारतीय पखवाराके अन्तर्गत आज भारतके आर्थिक विकास में जी.एस.टी. विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगितामें राष्ट्रीय सेवा योजनाके स्वयं सेवकों तथा सेविकाओं के अतिरिक्त अन्य कक्षाओंके कुल २५ विद्यार्थियोंने प्रतिभाग किया। प्रतियोगितामें प्रथम स्थान पर बी.ए प्रथम वर्षके छात्र अंकित कुमार पाण्डेय द्वितीय स्थान पर बी.ए.प्रथम वर्षके छात्र अमन कुमार राणा एवं तृतीय स्थान पर बी.एस.सी. तृतीय वर्षके छात्र राकेश कुमार चौरसिया पर रहें। प्रतियोगियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डा.यशवंत रावने कहा कि जी.एस.टी. वन नेशन वन टैक्स प्रणाली है जिसमें वस्तु एवं सेवासे सम्बंधित करोंका भुगतान किया जाता है। इस प्रणाली से करों टैक्स के मकड़जालसे निजात मिलेगी और देश के निर्माण एवं विकासमें सहयोग सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती कविता मन्ध्यान ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि प्रतियोगितामें विजय और पराजय सफलता या असफलता महत्वपूर्ण नहीं है, जी.एस.टी.को समझना तथा भारतीय जनमानसको जागरूक करना है। इस अवसर पर नंदन शर्मा, डा. महेन्द्र प्रताप सिंह, डा. सुभाष गुप्ता, प्रगति पाण्डेय, प्रकाश प्रियदर्शी एवं डा. कृष्ण कुमार उपस्थित थे।

'वैश्वीकरण का बदलता परिदृश्य'

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत व्याख्यान दिनांक 13.01.2018 को वैश्वीकरण का बदलता परिदृश्य पर डॉ0 कृष्ण कुमार पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा त्वरित गति से बदलते सामाजिक मूल्य वैश्वीकरण के परिणाम है। आज कोई भी आधुनिक समाज अपने को वैश्वीकरण से अलग नहीं रख सकता। आज भारत जिस तीव्र गति से वैश्विक अर्थ–व्यवस्था को रफ्तार दे रहा है उसके मूल में वैश्वीकरण की समावेशी प्रकृति का अमूल्य योगदान है।

किन्तु आज जब ब्रिटेन ने अपने को यूरोपीय संघ से अलग कर लिया है, अमेरिका में राष्ट्रीय प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने वाली सरकार ने दस्तक दी है उससे यह तथ्य उभर कर सामने आ रहा है कि वैश्वीकरण से अब दुनिया राष्ट्रीयकरण की तरफ बढ़ रही है।

अब प्रश्न उठता है कि क्या वैश्विक समाज स्थानीय समाज में बदल रहा है? यह कहना अभी जल्दबाजी होगी क्योंकि वैश्वीकरण ने जिस बाजारोन्मुख समाज को जन्म दिया है उसमें उपभोक्ता लाभान्वित हो रहा है और बाजार की प्रतियोगिता का लाभ उसे मिल रहा है। ऐसे में कोई भी समाज या सरकार इसके लाभों से अपने को वंचित करना नहीं चाहेगा। किन्तु आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वैश्वीकरण की संस्कृति का लाभ उठाने के साथ ही अपनी स्थानीय और राष्ट्रीय संस्कृति की पहचान को भूलें नहीं क्योकि जब तक हमारी संस्कृति और उसकी पहचान बनी रहेगी तथा देश की प्रभुसत्ता एकता व अखण्डता अक्षुब्ण रहेगी वैश्विक समाज भी हमें आदर व सम्मान की दृष्टि से देखेगा।

उद्बोधन करते हुए डॉ0 कृष्ण कुमार तथा मंचासीन शिक्षकगण

कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह तथा आधार ज्ञापन भारत–भारती पखवारा कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। इस अवसर पर डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल, डॉ0 आर0एन0 सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, सुश्री मनिता सिंह, डॉ0 आरती सिंह, श्री नवनीत सिंह, डॉ0 राजेश शुक्ला सहित महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

गोरखनाथ मंदिर में सेवा कार्य

14 एवं 23 जनवरी, 2018 को श्री गोरक्षनाथ मंदिर में खिचड़ी मेला में सुदूर गाँवों से आये हुए श्रद्वालुओं को निर्बाध रूप से महावतारी गुरु श्री गोरक्षनाथ जी का दर्शन और खिचड़ी चढ़वाने में स्वयंसेवकों/सेविकाओं ने सहयोग किया। कड़ाके की ठण्ड के बावजूद प्रातः 07:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक खिचड़ी मेला में श्रद्वालुओं की सेवा में लगे रहे।

खिचड़ी मेले में सेवाकार्य करते हुए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

युवा काव्य पाठ एवंगायन प्रतियोगिता

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत दिनांक 17.01.2018 को **'गायन प्रतियोगिता'** आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एम0एस–सी0 प्रथम वर्ष की आकांक्षा सिंह, द्वितीय स्थान पर बी0एस–सी0 तृतीय वर्ष के समीर पाण्डेय एवं बी0एड्0 प्रथम वर्ष की प्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान पर बी0एड्0 प्रथम वर्ष की पूनम गुप्ता और प्रतिभा शुक्ला रही।

निर्णायक मण्डल में बी0एड्0 विभाग प्रवक्ता श्रीमती पुष्पा निषाद, श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव एवं श्री जितेन्द्र प्रजापति रहें।

इसी के साथ **'युवा काव्य–पाठ'** प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान एम0ए0 द्वितीय वर्ष की प्राची, बी0एड0 द्वितीय वर्ष के आदित्य गुप्ता एवं बी0ए0 द्वितीय वर्ष के दुर्गेश साहनी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री दीप्ति गुप्ता ने सभी विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

युवा काव्यपाठ तथा गायन प्रतियोगिता प्रस्तुत करती हुई छात्रा तथा मंचासीन शिक्षकगण

भाषण प्रतियोगिता

18.01.2018 को भारत–भारती पखवारा के तत्वावधान में महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''भारत निर्माण मे युवाओं की भूमिका''। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''युवा गहन ऊर्जा और महत्वकांक्षाओं से भरे हुए होते है। उनकी आंखो में भविष्य के इंद्रधनुषी स्वपन होते है। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का होता है। मेरा भारत महान''इस पंक्ति को सार्थक करने के लिए युवा पूरी तरह से प्रयासरत है।'' प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवंत राव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कार्य का संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागिओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें बी0ए0 द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल गिरि प्रथम स्थान पर, बी0ए0 प्रथम वर्ष के अंकित पाण्डेय द्वितीय स्थान पर तथा बी0ए0 द्वितीय वर्ष के विवेक विश्वकर्मा तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक मण्डल में डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ0 आरती सिंह, डॉ0 यशवंत राव रहें।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्रा तथा मंचासीन डॉ0 यशवन्त कुमार राव, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह और श्रीमती कविता मांध्यान

समाचार पत्र

गोरखपुर • शुक्रवार • 19 जनवरी 2018

राहुल पहले, अंकित दूसरे स्थान पर

गोरखपुर। भारत-भारती पखवारा के तहत महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विषय था भारत निर्माण में युवाओं की भूमिका। इसमें बीए द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल गिरि प्रथम स्थान पर, बीए प्रथम वर्ष के अंकित पाण्डेय द्वितीय स्थान पर तथा बीए द्वितीय वर्ष के विवेक विश्वकर्मा तृतीय स्थान पर रहे।

इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यक्रम संयोजक कविता मन्ध्यान ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा गहन ऊर्जा व महत्वाकांक्षाओं से भरे हुए होते हैं। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का होता है। प्रतियोगिता प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. यशवंत राव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए संचालन एवं आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मण्डल में डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, कविता मन्ध्यान, डॉ. आरती सिंह व डॉ. यशवंत शामिल रहे।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह

१९ जनवरी, २०१८ को भारतीय इतिहास में जो स्थान महाराणा प्रताप को मिलना चाहिए, वह नहीं मिला। वे साम्राज्यवादी एवं साम्यवादी इतिहासकारों के इतिहास लेखन की प्रवृत्ति के शिकार हुए। भारतीय इतिहास के अनेक अध्याय जो भारतीय गौरव गाथा के प्रतीक हैं, उन्हें जानबूझकर विकृत किया गया, नजर अन्दाज किया गया। महारानी पद्मावती भी इसी इतिहास लेखन की प्रवृत्ति का शिकार हुयीं और आज देश भर में महारानी पद्मावती पर बनी फिल्म पर जो घमासान मचा हुआ है, उसका उत्स भी **हमें अपने गौरवशाली अतीत के साथ छेड़–छाड़ स्वीकार्य नहीं हैं। जब–जब इस प्रकार के कलुषित प्रयास होंगे तब तक हमारी राष्ट्रीयता और राष्ट्रवाद और प्रखर होता जायेगा।** पद्मावती भारतीय नारी अस्मिता की प्रतीक हैं।

उनका जौहर भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु किया गया अद्वितीय बलिदान है। **महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति के प्रतीक है, राष्ट्रवाद के प्रतीक हैं, राष्ट्रीय स्वाभिमान पर मर–मिटने वालो के प्रतिमान हैं।** महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के आकाश में एक चमकते हुए सितारे हैं। ऐसे दैदीप्यमान नक्षत्र को इतिहास में न्याय दिलाने का जिम्मा हम आधुनिक भारतीय इतिहासकारों सहित प्रत्येक राष्ट्रभक्त नागरिकों का है। (**भारत–भारती पखवारा** के अन्तर्गत आयोजित हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के पुण्यतिथि समारोह के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० हिमांशु चतुर्वेदी जी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि)

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव ने कहा कि स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान के लिए आपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप जी का उज्ज्वल एवं प्रदीप्त चरित्र हम सभी के लिए आदर्श है। देश की आन–बान एवं शान के लिए उन्होंने जो उदाहरण हम सभी के समक्ष प्रस्तुत किया, वह हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता सुबोध कुमार मिश्र ने जब कि अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ० विजय कुमार चौधरी, डॉ० शिवकुमार बर्नवाल, डॉ० आर०एन० सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा, सुश्री मनिता सिंह, डॉ० आरती सिंह, श्री नवनीत सिंह, डॉ० राजेश शुक्ला सहित महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो. हिमाशुं चतुर्वेदी तथा उपस्थित शिक्षकगण, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह की पूर्व संध्या

22 जनवरी, 2018 को भारत भारती परखावा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह की पूर्व संध्या पर आयोजित स्मृति दिवस पर मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने कहा किनेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत के महान स्वतन्त्रता सेनानी थे। उन्होंने भारत माता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के क्षितिज पर चमकते सितारे हैं। उन्होंने अपना सुख सुविधा सम्पन्न जीवन त्याग कर अंग्रेजो के विरूद्ध जो चुनौती प्रस्तुत की वह आज भी भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। सुभाष बाबू वास्तव में राष्ट्र नायक थे, जननायक थे।

इस अवसर पर क्रीड़ा विभाग के प्रभारी मृत्युजंय कुमार सिंह ने कहा कि भारती स्वतन्त्रता आन्दोलन के नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ऐसे महानायक थे जिनेक जीवन प्रदिप्त से आज भी सम्पूर्ण भारत वर्ष आलोकित हो रहा है। देश की युवा पीढी को चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य महापुरूषों से प्राप्त करना चाहिए। भारत माँ स्वतन्त्रता के लिए उन्होनें सबकुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के समक्ष जो चुनौती खड़ी की वह आज भी इतिहास में स्वाणिम घटना है। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस हमेशा से ही युवाओं के प्रेरणा श्रोत रहें है, भारत माँ के वैभव के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बी0ए0 भाग एक की नम्रता एवं गरिमा ने सरस्वती वन्दना, बी0काम0 भाग दो की पूजा सोनी ने देशभक्ति गीत, बी0ए0 भाग तीन की अनिता निषाद ने युवाओं को प्रेरित गीत, बी0ए0 भाग एक की फतियुज्जमा खातून ने सुभाष चन्द्र बोस की जीवन से सम्बन्धित भाषण, बी0काम0 भाग एक की नेहा शर्मा ने नृत्य, बी0एस–सी0 भाग एक की पूजा चौरसिया ने कविता पाठ, बी0ए0 भाग दो की गायत्री सिंह चौहान ने समय के महत्व पर कविता तथा हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ0 आरती सिह ने देवी गीत तथा सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी दीप्ति गुता ने श्याम भजन प्रस्तुत किया।

दैनिक न्यूज़ फॉक्स — अंचल की आवाज

गोरखपुर, बुधवार, 24 जनवरी 2018

कार्यक्रम — महाराण प्रताप पीजी कालेज में नेता जी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्र नायक थे नेता जी सुभाष चंद्र बोस: डा.प्रज्ञेश

न्यूफॉ न्यूज

जंगल धूसड़। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने भारत माता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के क्षितिज पर चमकते सितारे हैं। उन्होंने अपना सुख सुविधा सम्पन्न जीवन त्याग कर

›› छात्राओं ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

अंग्रेजो के खिलाफ जो चुनौती प्रस्तुत की वह आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। सुभाष बाबू वास्तव में राष्ट्र नायक थे, जननायक थे।

यह बातें महाराणा प्रताप कालेज जंगल धूसड़ में भारत भारती परखावा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर आयोजित स्मृति दिवस पर मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने कही। क्रीड़ा विभाग के प्रभारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि भारती स्वतंत्रता आंदोलन के नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ऐसे महानायक थे जिनेक जीवन प्रदिप्त से आज भी सम्पूर्ण भारत वर्ष आलोकित हो रहा है। देश की युवा पीढी को चुनौतियों का सामना करने का सामाज्य महापुरूषों से प्राप्त करना चाहिए। भारत मां स्वतंत्रता के लिए उन्होंने सब कुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के समक्ष जो चुनौती खड़ी की वह आज भी इतिहास में स्वर्णिम घटना है। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस हमेशा से ही युवाओ के प्रेरणा श्रोत रहे हैं, भारत मां के वैभव के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

अवसर पर आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम में बीए भाग एक की नम्रता एवं गरिमा ने सरस्वती वन्दना, बीकाम भाग दो की पूजा सोनी ने देशभक्ति गीत, बीए भाग तीन की अनिता निषाद ने युवाओ को प्रेरित गीत, बीए भाग एक की फतिमुज्जमा खातुन ने सुभाष चन्द्र बोस की जीवन से संबंधित भाषण, बीकाम भाग एक की नेहा शर्मा ने नृत्य, बीएससी भाग एक की पूजा चौरसिया ने कविता पाठ, बीएभाग दो की गायत्री सिंह चौहान ने समय के महत्व पर कविता तथा हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डा. आरती सिंह ने देवी गीत तथा संस्कृतिक विभाग की प्रभारी दीप्ति गुता ने श्याम भजन प्रस्तुत किया।

सास्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्रा, उपस्थित छात्राए। — न्यूफॉ फोटो

सरस्वती पूजन

२२जनवरी २०१८ को **बसंत पंचमी उत्सव** के अवसर पर आयोजित सरस्वती पूजन का कार्यक्रम श्रद्धा एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करके एवं विधिवत पूजा–अर्चना पूरोहित पंडित श्री रमेश उपाध्याय के मंत्र उच्चारण तथा **यजमान बी०एड्० विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह** द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्र–छात्राओं को बसंत पर्व का महत्त्व बताते हुए **कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मन्ध्यान** ने कहा कि भारत का यह पूण्य पर्व विद्यार्थी से लेकर किसान तक तथा नारी–पुरूष सब के लिए अत्यन्त ही पूर्णकारक होता है। प्राचीन काल से ही इसे ज्ञान और कला की देवी माँ सरस्वती के स्तूति दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। साहित्य एवं कला के क्षेत्र में भी इस दिन का अत्यंत महत्व है। ज्ञान की अधि ष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की आराधना और स्तूति से जहाँ एक ओर विद्यार्थियों में ज्ञान के आपार विश्तार द्वारा बुद्धि और दृष्ठि निर्मित होती है। वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए यह चमक एवं प्रगति बढ़ाने वाले पर्व के रूप में प्रतिष्ठित है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है विशेष रूप से यह उत्सव यौवन का प्रतिक है प्रबसंत पर्व मौसम परिवर्तन के माध्यम से प्रकृति का कण–कण खिल उठने वाला त्योहार है। बसंत पंचमी के पर्व का ऐतिहासिक महत्व है। इसी दिन पृथ्वीराज चौहान ने विदेशी आक्रान्ता मोहम्मद गौरी को १६वी बार पराजित किया था। बसंत पंचमी का दिन हिन्दी साहित्य के महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता हैं जिन्होंने अपने साहित्य साधना के माध्यम से निर्धन और वंचित की पीड़ा की ओर ध्यान आकृष्ट किया था। इस त्योहार का महत्व प्रत्येक युग मे रहा है।

माँ सरस्वती के पूजन के उपरान्त हवन और आरती से पूरा वातावरण को आघ्यात्मिक एवं परिशुद्ध हो गया तत्पश्चात सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सरस्वती पूजन कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'मतदाता बनाओ' शिविर का आयोजन अभिगृहित ग्रामसभा मंझरिया जंगल धूसड़, में किया गया दोना इकाइयों (गुरू श्री गोरक्षनाथ तथा हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई) के स्वयंसेवक/सेविकाएँ 'मतदाता जागरूकता' रैली छोटी रेतवहिया की मंझरिया तक के मतदाताओं को मतदान के महत्व, मतदान से लाभ 'मतदान एक अधिकार के रूप में' ग्रामवासियों को बताकर जागरूक किया गया। मतदाता दिवस के अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि– यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक को यह शपथ लेनी चाहिए कि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में योगदान रखता है। आम आदमी का एक वोट ही पल भर में सरकार बदल देता है। इसलिए भारत के प्रत्येक नागरिक का अपने मत का प्रयोग सोच समझकर करना चाहिए। एक ऐसी सरकार और प्रतिनिधि चुनना चाहिए जो देश को विकास और तरक्की के मार्ग पर ले जा सके।

इससे पूर्व प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्ष 1950 से स्थापित चुनाव आयोग के 61वें स्थापना वर्ष 25 जनवरी, 2011 के तत्कालीन राष्ट्रीय मतदाता दिवस का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के सन्दर्भ में निर्वाचन आयोग पूरे देश में शिक्षित मतदाताओं विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को आकर्षित करने के लिए व्यापक स्तर पर मतदाता शिक्षा तथा मतदान भागीदारी अभियान चलाना रहता है। प्रतिष्ठित हस्तियों में पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, महेन्द्र सिंह धोनी के संदेश प्रसरित करता रहता है। विसंदेह आयोग का संदेश उनका और स्पष्ट है, यह तब तक विश्राम नहीं करेगा जब तक कि प्रत्येक मतदाता स्वेच्छा से मतदान करने का लग जाय।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 कृष्ण कुमार, श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ0 आरती सिंह, डॉ0 मृत्युंजय सिंह सहित सभी शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार स्वयं सेवक विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया।

गणतन्त्रता दिवस समारोह

26 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में गणतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर ध्वजारोहण उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो0 सदानन्द प्रसाद गुप्त ने किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रो0 सदानन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि भारत गणतन्त्र का जन्मदाता है। दुनिया को गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था हमने सिखायी। आज से लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व महात्मा बुद्ध के समय इसी क्षेत्र में गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था जन्मी थी। लोकतन्त्र भारतीय संस्कृति के रग में है। हम भारतीयों के स्वभाव में है। वर्तमान युग हमे अपना स्वत्त्व पहचानने का युग है। समय की माँग है कि हम जाने कि हम कौन थे?, कौन हैं? यह संस्कृतियों के आपसी द्वन्द के युग में हमे भारत को उबारना होगा, जगद्गुरू बनने की दिशा में बढ़ना होगा। गणतन्त्र दिवस आगे बढ़ने एवं ठहरकर विचार करने का भी समय है। युग प्रवाह में सभी बहते है युग प्रवाह रोककर अपनी धारा बहाने हेतु युवा तैयार हों। कार्यक्रम की शुरूआत शिवांगी पाण्डेय द्वारा गणेश वन्दना से हुई तत्पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एंव कविता प्रस्तुत की। जिनमें मुख्य रूप से हिन्दी भाषण बी0एस–सी0 भाग तीन के सुत्रिता सिंह, माधुरी बी0एस–सी0 भाग एक, प्रियंका सिंह बी0कॉम0 भाग तीन, आदित्य गुप्ता बी0एड्0 भाग दो, बी0एड्0 प्रथम वर्ष की पुनम गुप्ता एकल गायन, बी0कॉम0 भाग दो की कुमकुम एकल नृत्य, राहुल भट्टाचार्या बी0ए0 भाग दो, शालिनी मिश्रा, बी0कॉम0 भाग दो, प्रतिभा शुक्ला बी0एड्0 भाग एक, ज्योति की भोजपुरी गीत 'देखिं ऐ दरोगा बाबू अंगना मे आई के' जो दहेज प्रथा पर आधारित था खुब सराहा गया। आशीष उपाध्याय तथा अश्वनी कुमार का नाटक छात्रों को लोट–पोट करने पर विवश किया। बलवंत मौर्या एवं दुर्गेश साहनी की हास्य व्यंग कविता ने खुब हंसाया। बी0कॉम0 भाग तीन के प्रवीण कुमार ने 'महाविद्यालय की यादें' विषय पर कविता सुनाई। छात्रसंघ अध्यक्ष श्री राहुल गिरि, बी0ए0 भाग दो तथा महामंत्री रविप्रताप नांगवशी बी0ए0 भाग तीन ने गणतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में उत्साहवर्द्धक भाषण दिया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने गणतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान निर्माताओं को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2017 से जो लक्ष्य एंव संकल्प तय किये आज 26 जनवरी 2018 तक कहां तक प्राप्त किया है। हमें आत्मावलोकन की आवश्यकता है। हमने समाज राष्ट्र तथा गोरखपुर के लिए क्या किया, यह कर्तव्यबोध सभी को होना चाहिए। महाविद्यालय के सत्र 2017–18 की समीक्षा करते हुए उसे और सुदृढ़ तथा बेहतर बनाने, तकनीक के माध्यम से शिक्षण पर जोर देने की अपील की। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ। आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशवंत कुमार राव ने किया। समारोह में महाविद्यालय के सभी शिक्षक/शिक्षिकाऐं, कर्मचारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

भारत–भारती पखवारा समापन कार्यक्रम एवं गणतन्त्र दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रो. सदानन्द गुप्त, प्राचार्य, शिक्षक तथा विद्यार्थीगण

द्वितीय एकदिवसीय शिविर
संत रविदास जयन्ती समारोह

31.01.2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संत रविदास के जयन्ती के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय शिविर में स्वच्छता अभियान एवं परिचर्चा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन मे कहा किसमाज के उत्थान का अमर संदेश देता है संत रविदास का जीवन। लोक भाषा में अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय समाज में व्याप्त बुराईयों और कुरीतियों पर करारा प्रहार करने वालो में संत रविदास अग्रणी महापुरुष थे। संत रविदास अत्यन्त प्रतिष्ठित होते हुए भी वे अपना पैतृक कार्य जो जूता बनाने का था, उसे करते हुए उन्होंने यह सन्देश दिया कि कोई कार्य छोटा नही होता। यह केवल मन का भ्रम है इसी प्रकार की कलुसीत सोच के कारण समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियों का जन्म हुआ। मानव सेवा ही धर्म का सबसे प्रभावी मर्म है यह बात उनके जीवन तथा उनके सन्देशों से जुड़ी थी। उन्होंने ऊँच–नीच की भावना को पूर्णतः निरर्थक बताया। ईश्वर के प्रति भक्ति सदाचार और परहित भावना के द्वारा फलदायी बनाया जा सकता है। अभिमान और बड़प्पनके व्यवहार द्वारा व्यक्ति ईश्वर के नजदीक पहुँच सकता है। उनके इन्हीं विचारों से प्रभावित होकर मीराबाई भी उनकी भक्त हो गयी।

इस अवसर पर कार्यक्रम में बोलते हुए **डॉ0 यशवन्त कुमार राव** ने कहा कि संत रविदास सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के प्रतिक थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपने ज्ञान और दृष्टि से समाज को अज्ञान, अधर्म और अंधविश्वास के अन्नत अंधकार से निकालकर मानवता को एक नई स्वर्णिम आभा प्रदान किया। चौदहवीं शताब्दी में जिस प्रकार भारतीय समाज, विशेष रूप में ग्रामीण समाज जाति–पाति, धर्म, वर्ण छूआछूत, पाखण्ड, ऊँच–नीच जैसे कुरीतियों मे जकड़ गया था, समाज को उससे बचाने का पावन कार्य संत रविदास ने किया। उन्होंने सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रीय एकता के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने अपने वाणी और रचनाओं के द्वारा समाज को हमेशा सन्देश दिया कि गरीबों के प्रति प्रेमभाव और उनकी सेवा मे ही ईश्वर सेवा निहित है। उनका स्पष्ट मत था कि व्यक्ति कर्म से ही ऊँच–नीच होता है जन्म से नहीं। अच्छा कार्य और मानव सेवा व्यक्ति को बड़ा आदमी बनाता है। संत रविदास की जयन्ती पर उनको याद करते हुए प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता **विनय कुमार सिंह** ने कहा कि संत रविदास भारत के उन प्रतिष्ठित कवियो मे एक थे जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत एवं संगठित किया। संत रविदास एक कर्मयोगी संत थे। उन्होंने कभी भी दान–दक्षिणा नही लिया। स्वयं श्रम करते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ समाज सेवा का कार्य किया। सत्कर्म और सेवा ही ईश्वर प्रेम है, का सन्देश वे देते रहे। वे संत कबीर की ही भाँति 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' की कहावत को चरितार्थ करने वाले भारतीय साहित्य इतिहास के एक बड़े कवि थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक तथा सेविकाओं ने भी संत रविदास के जीवन से सम्बन्धि अपने विचार प्रस्तुत किये। इससे पूर्व संत रविदास जयन्ती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने अभिगृहित गाँव मंझरिया से महाविद्यालय परिसर तक के सम्पर्क मार्ग की साफ–सफाई एवं जनजागरण किया। सफाई अभियान में स्वयं सेविकाओं की चौदह टीमें तथा स्वयं सेवको की दस टीमें टोली प्रभारियों के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान सम्पन्न किया।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर में श्रमदान करते हुए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

तृतीय एक दिवसीय शिविर

04.02.2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाइयोंय (गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई) का संयुक्त एक दिवसीय शिविर अभिगृहित ग्राम मंझरिया में आयोजित किया गया। स्वच्छता, साक्षरता योजनाओं की जानकारी गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क दवा वितरण कार्य किया गया।

तृतीय एकदिवसीय शिविर में जनजागरण रैली तथा श्रमदान करते हुए स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर उद्घाटन समारोह

20.02.2018 को **राष्ट्रीय सेवा योजना तथा बी.एड.स्काउट/गाइड परिचयात्मक शिविर सप्त दिवसीय विशेष शिविर का संयुक्त उद्घाटन** करते हुए मुख्य अतिथि समन्वयक, **प्रो0 शरद कुमार मिश्र,** राष्ट्रीय सेवा योजना दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपने संबोधन में कहा कि श्रम का कोई विकल्प नहीं है। सेवा से बड़ा कोई ध र्म नही है। राष्ट्रीय सेवा योजना जीवन में श्रम–सेवा को साधने के मंत्र का ही नाम है। भारत सरकार की एक ऐसी अद्वितीय योजना जो युवाओं में श्रम और सेवा के माध्यम से राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाती है, उसी का नाम राष्ट्रीय सेवा योजना है।

मंझरिया गाँव में राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों/स्वयं सेवक–सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए **प्रो0 शरद कुमार मिश्र** ने कहा कि जब तक राष्ट्र रहेगा राष्ट्रीय सेवा भी रहेगी। स्वयं सेवक/सेविकाएं अभिरूचि के साथ सामुदायिक विकास सामुहिकता की भावना, समाज तथा राष्ट्र निर्माण को अपना लक्ष्य बनाये। असहायों की पीड़ा को समझते हुए सच्चे मन से उनकी सेवा में कार्य करें। जीवन के अनेक नियम है, विश्व उन्हीं नियमों से संचालित होता है। स्थूल तथा सूक्ष्म दो शक्तियां होती है। स्थूल शक्तियां दिखाई देती है, सूक्ष्म शक्ति मानव षरीर में आत्मा के रूप में होती है जो मानव के ज्ञान तथा विवेकीय शक्तियां प्रदान करती है। यही सूक्ष्म शक्ति जीवन्त का मूल है। युवाओं को इसी शक्ति को पहचानना है। युवा अपनी ऊर्जा शक्ति का उपयोग सामाजिक दायित्वओ तथा राष्ट्रीय कर्तव्यों को पूरा करने के लिए संकल्पित है विस्तार जीवन का लक्ष्य है युवाओ को 'अतिथि देवों भवः' की संस्कृति तथा मन को पवित्र रखते हुए अपनी विवेकीय शक्तियों का प्रयोग करना चाहिए। गोरखपुर संसदीय उपचुनाव 11 मार्च 2018 को होना है अतः सभी शिविरार्थी स्वयं मतदान करें तथा मतदाताओं को भी जागरूक करें।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधानाचार्य, **श्री रामजनम सिंह,** महाराणा प्रताप इन्टर कालेज, गोलघर, गोरखपुर ने अपने उद्बोंधन में कहा कि युवाओं को अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए गौतम बुद्ध के विचार और आचरण को आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक सोच ही दृष्टिकोण का निर्माण करती है। दृष्टिकोण उच्च होना चाहिए क्योकि यही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को महान बनाता है। हताशा और निराशा से बाहर निकलकर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन को समर्पित करना चाहिए। सर्वोच्चता की कोई सीमा नही होती अपनी परिश्रम से हम जितनी ऊँचाई प्राप्त करें, जीवन को साधे वही दृष्टिकोण हमें अपनाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्काउट गाइड के जिला संगठन आयुक्त, श्री राकेश कुमार सैनी उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने तथा आभार बी.एड. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ0 यशवंत कुमार राव प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना, डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 मृत्युंजय सिंह, डॉ0 प्रवीन्द्र कुमार, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 कविता मान्ध्यान्, डॉ0 सुभाष गुप्ता, सुश्री मनीता सिंह डॉ0 राजेश शुक्ला, श्री बागीश राज पाण्डेय, श्री राहुल गिरी, विवेक कुमार विश्वकर्मा सहित स्वयं सेवक तथा बी.एड. के सभी रोवर्स और रेंजर्स तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी उपस्थित थे।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर सम्बोधित करते हुए रा.से.यो. समन्वयक प्रो. शरद कुमार मिश्र, श्री रामजनम सिंह, उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिन

21.02.2018 को ग्राम सभा मंझरिया स्थित बुढ़िया माई मन्दिर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि डॉ0 बी0के0 श्रीवास्तव, समन्वयक इंसेफेलाइटिस उन्मूलन अभियान बी0आर0डी मेडिकल कालेज, गोरखपुर ने शिविरर्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वयं सेवको को अपने असीम ऊर्जा को पहचानतें हुए पूरे मन से, समर्पण और सेवा भाव से समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होना चाहिए इन्सेफेलाइटिस जैसे घातक बीमारी से पूरा पूर्वांचल त्रस्त है। इस बीमारी से होने वाले दूष्प्रभावों के बारे में बताया उन्होने कहा कि इन्सेफेलाइटिस का अर्थ है 'दिमाग में सूजन' जिसे दिमागी बुखार भी कहते है। यह जल जनित, मच्छरजनित, विषाणु और जीवाणुओं से फैलता है। जल जनित विषाणुओं से जो इन्सेफेलाइटिस होता है उसे जापनी इन्सेफेलाइटिस कहते है। इससे बचाव के उपायो के बारे में भी बताते हुए कहा कि जल को एकत्र होने से रोकना, मच्छरदानी का प्रयोग, स्वयं को स्वच्छ रखते हुए अपने आस–पास स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। क्योकि मच्छर का लार्वा गन्दे पानी तथा एकत्र पानी में रहता है। इस बीमारी की पहचान तेज बुखार, उल्टी, शरीर में ऐंठन के साथ होती है। बीमार व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निजी साधन, एम्बुलेंस के द्वारा पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए एम्बुलेंस 108 नं0 पर फोन करके बुलाया जा सकता है। स्वयं सेवको इस बीमारी से सम्बन्धित अनेक प्रश्न पुछकर अपनी जिज्ञासाएं शान्त की। डॉ0 वी0के0 श्रीवास्तव जी ने इन्सेफेलाइटिस उन्मूलन के लिए स्वयं सेवको से ग्राम वासियों के व्यवहार में परिवर्तन लाने का टॉस्क भी दिया।

कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक राजीव पासवान बी0ए0 भाग एक ने, अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव, क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 मृत्युंजय कुमार सिंह, तथा अनेक ग्रामवासी भी उपस्थित थे। आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने किया।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते हुए डॉ. वी. के. सिंह, तथा उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन

22.02.2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना तथा बी0एड्0 के स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण के संयुक्त सप्तदिवसीय शिविर के तिसरे दिन बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी0जी0 कालेज, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्तित्व विकास तथा निर्माण में नियोजित कार्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना है। यह एक संस्कार है, जीवन शैली है। राष्ट्रीय सेवा की भावना जब स्वयंसेवकों के व्यवहार में समाहित हो जाए तभी सुदृढ़ व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। स्काउट/गाइड राष्ट्रनिर्माताओं को तैयार करने का एक प्लेटफार्म है। यदि इस संस्कार से छात्राध्यापक शिक्षण कार्य करेंगे तो शक्तिशाली, विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। स्वार्थ, व्यक्तिगत लाभ को छोड़कर जब सेवा की जाती है तभी व्यक्ति में मानवता, समग्रता तथा सृजनशीलता उत्पन्न होती है। छात्राध्यापकों, स्वयंसेवकों ने मुख्य अतिथि से अनेक प्रश्न तथा जिज्ञासा रखे जिसे मुख्य अतिथि ने शांत करने का प्रयास किया। उन्होने कहा कि स्वयंसेवक सृजन का निर्माण मानव बनने में करे तो अधिक बेहतर होगा।

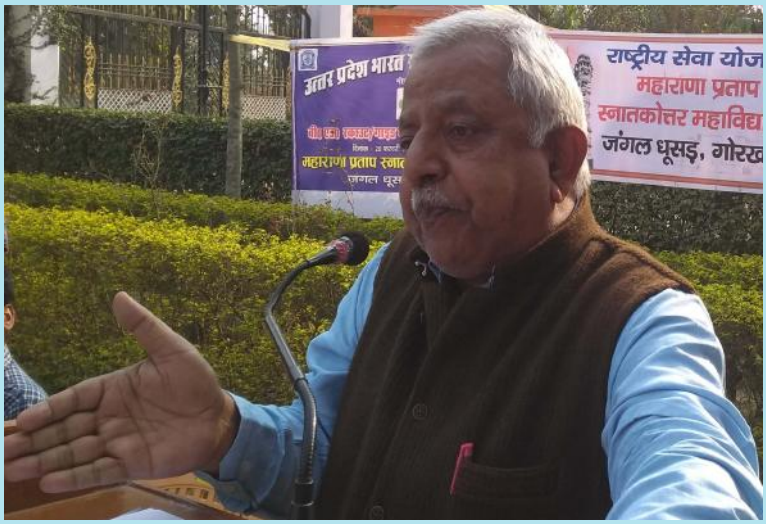

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने भी संचालन स्वयंसेवक श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा ने किया। इस बौद्धिक सत्र मे बी0एड्0 विभाग के प्रवक्ता डॉ0 मृत्युजंय सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र, सभी स्वयं सेवक तथा बी0एड्0 के स्काउट/गाइड उपस्थित थे। आभार ज्ञापन बी0एड्0 प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते हुए डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, तथा उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन

23.02.2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं किसान पी0जी0 कालेज के पूर्व प्राचार्य **डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय** ने आराम क्या है' विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि 'कार्य परिवर्तन ही आराम है'। हमारे समाज की सम्पूर्ण ग्रामीण परिवेश इसी अवधारणा पर आधारित है। पूरी कृषि परम्परा में कार्य करने की प्रवृत्ति मे इसका आभास होता है जब ग्रामीण परिवार में सास बहु से कहती है कि मै बहुरिया सास लऽढेका छोड़ जात लऽ, उसी प्रकार किसान जब कहता है कि उठतऽ कोड़ऽ, बैठ त ऽ चिखुरऽ, हल से छूट हेंगा विश्राम' सभी उदाहरण हमे निरंतर कार्य करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। भारत को विकसित करने में यह सामाजिक और कृषि परम्परा रामबाण का कार्य करेगा। ग्रामीण भारत विकासित भारत का आध ाार बनेगी। लोक जीवन में बहुत ही ऊर्जा उत्थान का अवसर छिपा है।

बौद्धिक सत्र में बोलते हुए क्रीड़ा प्रभारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन पद्धति में व्यक्ति विकास के सभी मूलमंत्र समाहित हैं। यह व्याक्तित्व के सभी पक्षों को निखारने की ताकत समेटे हुए है। भारत की पूरी सामाजिक व्यवस्था हमें निरन्तर संवेदनशील बनने की प्रेरणा देता रहता है। आज बड़े व्यक्तित्व की निरन्तर कमी होती जा रही है। व्यक्तित्व के धरातल पर व्यक्ति लगातार छोटा होता जा रहा है।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते हुए डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, तथा उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशवंत राव ने कहा कि युवाओं को भारत के संस्कार, परम्परा को अपनाना चाहिए। संस्कार व्यक्तित्व में चमक पैदा करता है। मर्यादा उसकी शोभा होती है। माधूर्य व्यवहार द्वारा विरोधी को भी अपना बनाया जा सकता है। श्रम और साधना द्वारा कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है व्यक्तित्व विकास में विनम्रता का विशेष महत्व हैा युवा को किताबी ज्ञान के साथ इन मूल्यों को भी अभ्यास में लाना चाहिए।

कार्यक्रम में रोवर्स–रेजर्स के मण्डल और जिला स्तर के अधिकारियों ने सहभाग किया। संचालन स्वयं सेविका सुश्री खुशबू तथा आभार ज्ञापन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का पाँचवा दिन

24.02.2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पाँचवे दिन बौद्धिक सत्र में शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय रक्षा एकादमी खड्गवासला महाराष्ट्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 राजेन्द्र भारती ने 'अनुशासन का विद्यार्थी जीवन में महत्व' विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धति एवं आध्यात्मिक परम्परा आत्मानुशासन की आत्मा है 'आत्मानुशासन हमे प्रिय मार्ग से श्रेय मार्ग तक ले जाने का सबसे बड़ा माध्यम है। इस आत्मनियन्त्रण द्वारा व्यक्ति क्षमतावान बनता है, बड़ा और महान बनता है। ऐसे अनेक उदाहरण भारतीय इतिहास के पन्नो में अमरगाथा कहते हुए उद्धरित हैं, अनुशासन का अर्थ ही आज्ञाकारिता होता है। यद्यपि मनुष्य के वास्तविक स्वभाव में आत्मानुशासन होता है। लेकिन समाज की विकृतियों ने आज समाज के सामने आत्मानुशासन की सबसे बड़ी चुनौती खड़ी की है। प्रकृति ने व्यक्ति को आपार शक्ति दी है उसका कोई अन्त बिन्दु नही हैं। स्वानुशासन ही व्यक्ति को चरमोत्कर्ष तक पहुँचाता है। व्यक्ति के अन्दर इन असीम शक्तियों को सकारात्मक क्षेत्र में लगाकर समाज का विकास और कल्याण का पुनीत कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना अपने इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से कर सकता है।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पाँचवे दिन बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते हुए डॉ. राजेन्द्र भारती तथा उपस्थित शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

युवाओं के लिए वर्तमान समय वास्तव में संक्रमण का समय है। युवा अवस्था में व्यक्ति की प्रवृत्ति और स्वाभाव में नियन्त्रित और अनियन्त्रित होने की बराबर सम्भवना बनी रहती है। इस दृष्टि से मेडिटेशन का बहुत महत्व होता है यह आत्मनियन्त्रण का महत्वपूर्ण साधन है। एकाग्रता संयम नियमित अभ्यास द्वारा आत्मनियन्त्रण की क्षमता का विकास किया जा सकता है। आत्मानुशासन की पराकाष्ठा भारतीय इतिहास में सर्वविदित है। प्रकृति ने सबमे असीम ऊर्जा दिया है जरूरत है हीरे की तरह से उसे निखारने और सवारने की। इस हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर सकता है।

कार्यक्रम में डॉ0 यशवन्त राव, श्री मृत्युंजय कुमार सिंह उपस्थित थे। संचालन स्वयं सेवक देवेन्द्र पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

समावर्तन संस्कार समारोह
राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का छठां दिन

25 फरवरी, 2018 को ग्यारहवें समावर्तन संस्कार समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि इलाहाबाद, उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति रणविजय सिंह ने कहा कि आज के समावर्तन संस्कार में दीक्षित विद्यार्थी खुले आकाश में पंख फड़–फड़ाकर उड़ें। अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार जीवन–पथ पर देश–समाज के हित में आगे बढ़ें। आज का युग संक्रमण का युग है। जीवन–मूल्यों का क्षरण हो रहा है। व्यक्तित्त्व का ह्रास हो रहा है। भारतीय संस्कृति एवं उसके मूल्यों का रक्षा युग–धर्म भी है, और वैश्विक शान्ति के लिए आवश्यक भी, शिक्षण–संस्थाएं यदि इस युग–धर्म को स्वीकार करें तो ही भारत बच सकता है। भारतीय संस्कृति में माया का कोई स्थान नहीं है। यथार्थ और आदर्श की टकराहट में ही वास्तविक परीक्षा होती है। उस परीक्षा में हम पास हों, और आदर्श की रक्षा करें। आज शिक्षा में आमूल–चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। श्रीगोरक्षपीठ की ऐसी संस्थाएं दीपक बनकर मार्ग दिखा सकती हैं। धर्म, धैर्य और ईमानदारी का जीवन भारत के विकास की प्रथम शर्त है। भारत की पहचान वैभव से पहले मनुष्यता, नैतिक मूल्यों और सदाचार से होती है। हमें भारत को विश्वगुरू बनाने की दिशा में बढ़ना है। आज के संकल्पबद्व विद्यार्थी भारत–समर्पित जीवन दृष्टि के साथ आगे बढ़ेंगे, यही समाज की अपेक्षा है। आप लक्ष्य निर्धारित करें और आगे बढ़ें। परहित और परपीड़ा का शमन जीवन का उद्देश्य बनाएं।

सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में व्याख्यान देते हुए न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह, मंचासीन प्रो. यू. पी. सिंह तथा उपस्थित विद्धवतजन एवं स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

कार्यक्रम अध्यक्ष, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 उदय प्रताप सिंह ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी द्वारा रोपे गए शिक्षारूपी पौधे ने आज वटवृक्ष का रूप धारण कर लिया है। वर्तमान युग में समावर्तन संस्कार की परम्परा इस महाविद्यालय ने डाली। शिक्षा को समाज से जोड़ने का एक नया प्रयोग इस महाविद्यालय ने किया। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब शिक्षण संस्थाएँ सामाजिक सरोकारों से जुड़कर विकसित हों। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाएँ इस दिशा में अग्रसर हैं। जीवन में जब भी उलझन हो तो अपने मूल की ओर देखें और हमारा मूल वही है जो आज समावर्तन उपदेश दिया गया है। समावर्तन उपदेश एवं संकल्प को जीवन में उतारें आपका जीवन सुखी होगा और मुक्ति मार्ग पर चल पड़ेगा। विशिष्ट अतिथि, एसोसिएट प्रोफेसर यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद के डॉ0 विवेक कुमार निगम ने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्वति का वास्तविक स्वरूप महाराणा प्रताप महाविद्यालय में मिलता है। पढ़ाई केवल पाठ्य पुस्तक तक सीमित नहीं। शिक्षा का आत्म तत्त्व संस्कार है। संस्कारों की जननी संस्कृति है। संस्कृति का निर्माण साधना से होता है। वह साधना शिक्षालयों में भी होनी चाहिए। समाज में होना चाहिए। शिक्षक–विद्यार्थी साथ मिलकर संस्था चलाएँ, यह सिद्धान्त व्यवहार में लाकर इस महाविद्यालय ने देश की शिक्षा व्यवस्था को राह दिखाई है। यह महाविद्यालय आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के मॉडल की प्रयोगशाला है।

समारोह में महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव** ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि गोरक्षपीठ ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखकर शैक्षिक क्रान्ति की जो मशाल जलायी उसके निरन्तर प्रज्ज्वलित रहने का ही प्रमाण है कि आज का समावर्तन समारोह गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति अपने विद्यार्थियों को संकल्पित कराकर भारत की सेवा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यहाँ से अध्ययन पूर्ण कर जाने वाले छात्र–छात्राओं ने जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने में ईश्वर उनकी मदद करें।

समारोह में महाविद्यालय के **प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह** ने छात्र–छात्राओं को दीक्षान्त उपदेष के साथ–साथ षुचिता एवं इमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राश्ट्रवाद तथा भारतीय संस्कृति के प्रति निश्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों के सम्मान एवं संवर्धन करने का संकल्प दिलाया। सरस्वती वन्दना से षुभारम्भ समारोह का समापन राश्ट्रगीत वन्दे मातरम् के साथ सम्पन्न हुआ।

समारोह में श्री मुकेश प्रकाश (जिलाजज), एडि0 जज, श्री ए0के0सिंह, श्री आर0पी0 श्रीवास्तव, सी0जे0एम0 शमीर वाकर रिज़वी, श्रीहरि प्रकाश सिंह, प्रो0 राजेन्द्र भारती, प्रो0 राजवंत राव, प्रो0 रविशंकर सिंह, प्रो0 विनोद सिंह, श्री विष्णुकान्त शुक्ला, डॉ0 बी0एन0सिंह, श्री महेन्द्र सिंह, निर्भय नारायण सिंह, श्री डी0एन0सिंह, सत्यप्रकाश सिंह मुन्ना, अनिल सिंह, डॉ0 उग्रसेन सिंह, डॉ0 शैलेन्द्र उपाध्याय, डॉ0 सत्यपाल सिंह, डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह, आर0एन0 गुप्ता, डॉ0 नीरज सिंह, श्री मनोज चन्द साहित्य कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह

26 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 सी0बी0 सिंह, पूर्व अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र निर्माण का एक सुदृढ़ माध्यम है। युवाओं मे राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जगाने, पवित्र साधनों के प्रयोग तथा चरित्र की उत्कृष्टता से अपने सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करनी चाहिए। प्रत्येक युवाओं अपने व्यक्तित्व से राष्ट्र तथा समाज को जोड़कर देखना चाहिए। व्यक्ति की पहचान राष्ट्र से है जाति, धर्म, की संकीर्णयता से ऊपर उठकर समाज तथा राष्ट्र को विकसित करने का प्रयास करने का प्रयास होना चाहिए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रो0 अजय कुमार शुक्ला, पूर्व समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सात दिवसीय शिविर में सामुदायिक कार्य करने से समूह में रहने साथ–साथ कार्य करने की प्रवृत्ति सामाजिक क्षेत्र में दिखनी चाहिए। उन्होने भ्रूण हत्या की आलोचना करते हुए प्रधान मंत्री भारत सरकार के बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओ पर जोर देते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान होती है। भारत की संस्कृति स्त्री सम्मान में समाहित है, क्योंकि स्त्रियों ममता, दया, त्याग और बलिदान की भावना कूट–कूट कर भरी होती है। प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ0 यशवंत कुमार राव ने वार्षिक रपट प्रस्तुत किया।

सप्तदिवसीय शिविर समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. सी. वी. सिंह पूर्व अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र दी.द.उ. गो.वि.वि गोरखपुर

समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रो0 अजय कुमार शुक्ला, शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक/सेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय शिविर में
ताईक्वाण्डो प्रशिक्षण

सप्तदिवसीय शिविर में जूड़ो एवं कराटे का प्रशिक्षण प्राप्त करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन ताइक्वाण्डो प्रशिक्षण श्री आदित्य जायसवाल ने शिविरार्थियों को प्रातः 7बजे से 8 बजे तक व्यायाम एवं जूडों कराटे का प्रशिक्षण दिया।

सप्तदिवसीय शिविर में व्यायाम करते शिविरार्थी

सप्तदिवसीय विशेष शिविर में सायं

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

07 मार्च, 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला जागरूकता के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय परिसर की साफ–सफाई तथा पेड़ो की छँटाई की गई, इस के उपरान्त एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ0 कृष्ण कुमार ने कहा कि महिलाओं में अपरिमित शक्ति और क्षमताएं विद्यमान है, अपने अदभुत साहस, अथक परिश्रम तथा दूरदर्शी बुद्विमता के आधार पर विश्वपटल पर अपनी पहचान बनाने में काम कर रही है। मानवीय संवेदना, करूणा, वात्सल्य जैसे भावपूर्ण गुणों से अनेक महिलाओं के युग निर्माण में अपना योगदान दिया है। हमारे देश में रानी लक्ष्मी बाई, श्रीमती सरोजनी नायडू, कल्पना चावला, मैरी कॉम, मदर टेरेसा, स्व0 इंदिरा गांधी, श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल और वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष इंदौर की सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन का नाम उल्लेखनीय है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विशेष कार्यक्रम है जिसे लोगो के साथ सामुदायिक, शिक्षण संस्थानो अविष्कारक, व्यक्तित्व आदि महिला नेतृत्व के द्वारा 08 मार्च को सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है। इसे महिला सशक्तीकरण, अजीविका के स्त्रोत, शिक्षा की महत्ता के रूप मे मनाया जाता है, प्रत्येक वर्ष एक थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। सर्वप्रथम 1975 में थीम का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ ने मान्यता दी।'' महिला से एक परिवार, समाज तथा देश का निर्माण होता है। किसी भी समाज या देश की प्रगति के लिए यह आवश्यक है महिला और पुरूष में भेद–भाव नहीं, उन्हें सम्मान प्राप्त हो और उनका अधिकार उन्हे प्राप्त हो। एक महिला जब शिक्षित होती है। तो परिवार की सात पीढ़ीया शिक्षित होती है। इसीलिए हमारे देश में महिलाओं को देवी के रूप में पूजन की जाती है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा आभार पूर्व स्वयं सेवक श्री रविप्रताप नागवंशी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय में सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

टोली नं० 6

कार्यस्थल — मुरख्यलाल

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वैच्छिक श्रमदान

टोली प्रमुख का नाम डॉ० कृष्ण कुमार

सत्र : 2017–18

माह नवम्बर 2017

क्रमांक	श्रमदानकर्ता नाम एवं मोबाइल नं.	कक्षा	समय (कब से कब तक)	स्थान मुरख्यलाल, तिथि 11-11-2017, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान मुरख्यलाल, तिथि 18-11-2017, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान, तिथि, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान, तिथि, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर
1	माधवेन्द्र मिश्रा 7071882300	B.Sc. II	12.30 से 1.20 P.M.	Madhvendra	Ab		
2	दयानन्द चौहान 9621768808	B.A. II	"	Dayanand Chauhan	Dayanand Chauhan		
3	शुभम कुमार वैश्य 7499869882	"	"	शुभम कुमार वैश्य	शुभम कुमार वैश्य		
4	गिरिजेश चौहान 8601723288	B.Sc. II	"	Girjesh	Girjesh chauhan		
5	सुभाष कुमार ढेडे 7237985438	B.Sc. I	—	Ab	Subhash		
6	भीम कुमार 7570064452	B.Sc. II	—	Ab	Bhim Kumar		
7	मनीष कुमार शर्मा 7619823886	"	"	Manish	Manish		
8	आशीष यादव 7786041899	"	"	A. Yadav	Ashish Yadav		
9	संदीप कुमार राजभर 8738987161	B.Sc. II	"	Sandeep	Ab		
10	दुर्गेश साहनी 7521992015	B.A. II	—	Ab	दुर्गेश साहनी		
11	प्रो० महेन्द्र प्रताप सिंह	प्राध्यापक	"	[signature]	[signature]		

K. Kumar 11/11/2017 K. Kumar 18/11/17

टोली नं० 1 .कार्यस्थल— मुख्य सड़क (गेट नं० 1 के उत्तर)

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वैच्छिक श्रमदान

सत्र : 2017–18

टोली प्रमुख का नाम श्री नन्दन शर्मा

माह नवम्बर 2017

क्रमांक	श्रमदानकर्ता नाम एवं मोबाइल नं.	कक्षा	समय (कब से कब तक)	स्थान तदैव, तिथि 11/11/2017, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान तदैव, तिथि 18/11/2017, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान, तिथि, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर	स्थान, तिथि, श्रमदानकर्ता का हस्ताक्षर
1	प्रिन्स कुमार विश्वकर्मा 8564019837	B.Com I		A	A		
2	बालकृष्ण सिंह 9554225460	"	12:20 - 1:00	Balkrishna	12:15 - 1:00 Balkrishna		
3	ओमकार विश्वकर्मा 8739036026	"	12:20 - 1:00	omkar	12:15 - 1:00 omkar		
4	अनूप वर्मा 7310322829	"		A	12:15 - 1:00 ANUP VERMA		
5	विपुल सिंह 9455636702	B.Sc. I		A	12:20 - 1:00 Vipul Singh		
6	शशि कुमार चौहान 8726801203	"	12:20 - 1:00	Chauhan	12:15 - 1:00 Chauhan		
7	नवनीत कश्यप 9839131952	"	12:15 - 1:00	Navaneet	12:20 - 1:00 Navaneet		
8	किशन शर्मा 9525978908	"	12:15 - 1:00	Kishan Sharma	A		
9	गजेन्द्र उपाध्याय 7390909045	B.Sc. II		A	A		
10	हिमांशु दूबे 7844077585	"		A	12:15 - 1:00 [illegible]		
11	डॉ० राजेश कुमार शुक्ल	असि० प्रो०	12:15 - 1:00	Rajesh	A		
12.	नन्दन शर्मा	"	12:15	Nshar	[illegible]		

2

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर 20 से 26 फरवरी 2018

शिविर का अनुभव एवं सुझाव

नाम ...अमर मिश्रा......... पिता का नाम श्री प्रमोद कु० मिश्रा

इकाई का नाम एवं क्रम हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई मो० ...8172904508........

अनुभव - राष्ट्रीय सेवा योजना के अर्न्तगत संचालित होने वाले इस सप्त दिवसीय शिविर में विद्यार्थियो के व्यक्तित्व निर्माण व एक उपयुक्त जीवन पद्धति का मूल मंत्र ही N.S.S है, मेरा यह द्वितीय सप्त दिवसीय शिविर है। यह शिविर प्रत्येक विद्यार्थी जो इस योजना से जुड़ा है, अति आवश्यक है, यदि वह इसे अपने विकास का मार्ग समझे. मैं इस शिविर में बहुत कुछ नया सीखता हूँ. यह शिविर मात्र शिविर नहीं बल्कि हमारे भविष्य के नवनिर्माण में सहायक हैं; इसमें प्रत्येक दिन होने वाले बौद्धिक परिचर्चा के कार्यक्रम ने मुझे अधिक प्रभावित किया क्योंकि इसमें आने वाले प्रत्येक अतिथि का उद्देश्य यह रहता है कि विद्यार्थी अपने जीवन का वास्तविक अर्थ समझकर अपने पथ को एक नयी दिशा दे पायेंगे, मैंने सप्त दिवसीय दिनचर्या को अपने आप नहीं सिखा बल्कि N.S.S में यह दिनचर्या बनायी गयी है। ताकि हम इसे अपने जीवन में उतार सके व आने वाली अनेक समस्याओ को समाप्त कर सके. मैं इस योजना से जुड़े शिक्षक विद्यार्थी व इसमें कार्य कर रहे लोगो को धन्यवाद देता हूँ।

सुझाव - N.S.S में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में शिक्षक व विद्यार्थियों का विशेष योगदान होता है। मैं चाहता हूँ कि भविष्य में होने वाले कार्यक्रम जो N.S.S में होते को एक छोटी-पुस्तक में पिरोया जाए, जिससे इससे जुड़ने वाला विद्यार्थी जो इसे मात्र एक कैंप या शिविर समझता है, न समझे क्योंकि यह उसकी जीवन पद्धति बनता है। प्रत्येक विद्यार्थी को यदि यह पुस्तक प्राप्त होगी तो वह इसके माध्यम से N.S.S से और अधिक जुड़ने को प्रेरित होगा. मेरी यही इच्छा है, कि यह पुस्तक भविष्य में यदि प्राप्त हो सके तो कार्यक्रम के संचालक की बड़ी कृपा होगी। धन्यवाद.

हस्ताक्षर

Amar Mishra

आपके सुझाव राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए महत्वपूर्ण है।

आपदा राहत वाहिनी
बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – प्राथमिक विद्यालय, मोहरीपुर

केन्द्र संख्या – 01

प्रभारी शिक्षक का नाम – डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल, मो0 – 9450883659

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री सोमनाथ कन्नौजिया	7308559689
02	श्री देवेन्द्र पाण्डेय	8453065900
03	श्री शैलेष चौहान	9795161807
04	श्री ऋषिकेश मिश्रा	8924994164
05	श्री नितेश पाल	9026035553
06	श्री अश्वनी प्रजापति	8726992262

आपदा राहत वाहिनी
बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – प्राथमिक पाठशाला, सिक्टौर

केन्द्र संख्या – 02

प्रभारी शिक्षक का नाम – श्री संजय जायसवाल, मो0 – 8010346431

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री राहुल गिरि	7309753714
02	श्री मनीष कुमार शर्मा	7619883886
03	श्री सुधीर कुशवाहा	7379903782
04	श्री रविप्रकाश मिश्र	9616511268
05	श्री सुधांशु	9115268625
06	श्री सुर्य भूषण प्रताप	8318031264
07	श्री सौरभ जायसवाल	7800970891
08	श्री सूर्यप्रताप सिंह	9918283103
09	श्री आयुष पाल	9112545171
10	श्री प्रभात शेखर आज़ाद	9125681410

आपदा राहत वाहिनी

बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – प्राथमिक विद्यालय, बड़गो, खोराबार

केन्द्र संख्या – 03

प्रभारी शिक्षक का नाम – डॉ0 राम सहाय, मो0 – 7080893857

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री रविप्रताप नागवंशी	8896509885
02	श्री पंकज कुमार यादव	8400874182
03	श्री अनिल कुमार चौहान	8417091631
04	श्री अविनाश कुमार प्रजापति	9651774485
05	श्री शैलेन्द्र प्रजापति	9935823800
06	श्री अविनाश निषाद	9616313466
07	श्री सुनील कुमार सिंह	8382805130
08	श्री अभिषेक जायसवाल	9919303751
09	श्री आकाश गुप्ता	9415934529
10	श्री अश्वनी पाण्डेय	9120011588

आपदा राहत वाहिनी
बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – पंचायत भवन, नौसड़

केन्द्र संख्या – 04

प्रभारी शिक्षक का नाम – डॉ0 विजय कुमार चौधरी, मो0 – 9935510927

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री दीपक कुमार सिंह	9473428760
02	श्री माधवेन्द्र मिश्रा	7071882300
03	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव	8181079572
04	श्री किशन सिंह	8604023963
05	श्री अंकित तिवारी	9792721726
06	श्री अभिषेक मद्धेशिया	7524827252
07	श्री दिशान्त श्रीवास्तव	8176041354
08	श्री अरूण सहानी	7754865378

आपदा राहत वाहिनी
बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – प्राथमिक विद्यालय, इलाहीबाग़

केन्द्र संख्या – 05

प्रभारी शिक्षक का नाम – श्री अभिषेक वर्मा, मो0 – 9936768254

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री सुशील कुमार सिंह	8858120464
02	श्री रंजन कुमार प्रजापति	7460857373
03	श्री अमरनाथ पाण्डेय	8574467144
04	श्री सत्यप्रकाश	9580384361
05	श्री दीपक प्रजापति	9793835856
06	श्री अजय यादव	8922888457
07	श्री आकाश प्रजापति	7238605757
08	श्री गौरव जायसवाल	8563044378
09	श्री जयप्रकाश शर्मा	9839714197

आपदा राहत वाहिनी
बाढ़ राहत हेतु –राहत सामग्री वितरण केन्द्र

केन्द्र का नाम – डुमरी शिव मन्दिर, खोराबार

केन्द्र संख्या – 09

प्रभारी शिक्षक का नाम – श्री नन्दन शर्मा, मो0 – 9450436912

वालेंटीयर सूची

क्रं.सं.	छात्र नाम	मोबाइल नं0
01	श्री कृष्णा नन्द तिवारी	9616166668
02	श्री विवेक विश्वकर्मा	9506206398
03	श्री सुधीर सिंह	8896339697
04	श्री संदीप तिवारी	8413058300
05	श्री अनुपम कुमार	9598045663
06	श्री सत्यप्रकाश पाठक	8858375788
07	श्री रमन कुमार	9026120930
08	श्री विवेक कुशवाहा	8299667733

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2017–18

गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई–चयनित सदस्यों की सूची

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
1	आकाश साहनी	श्री ओमप्रकाश साहनी	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317044	8009757432	मटिहनिया सुमाली, सिंहोरिया, गोरखपुर
2	दिव्यम श्रीवास्तव	श्री राजेश कु. श्रीवास्तव	B.A. II	सामान्य	UP0600317050	9807337808	रेलवे बस स्टेशन, कोल्ड स्टोरेज, गोरखपुर
3	देवेन्द्र पाण्डेय	श्री दीनानाथ पाण्डेय	B.Sc II	सामान्य	UP0600317051	8400065900	गीता वाटिका परिसर,शाहपुर गोरखपुर
4	अंजनी चौहान	श्री महेन्द्र चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317004	9559384257	हैदरगंज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
5	अपराजिता पाण्डेय	श्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय	B.A. II	सामान्य	UP0600317008	9807936354	शिवपुर साहबाजगंज, जं0 सालिकराम गोरखपुर
6	बबिता सिंह	श्री कमला सिंह	B.A. II	सामान्य	UP0600317009	9506008548	जंगल औराही श्यामा टोला, हाता टोला
7	चाँदनी	अम्माचरन	B.A. II	सामान्य	UP0600317011	9621888941	मौजा हरसेवकपुर, 2 छोटी जमुनहियां
8	गायत्री सिंह चौहान	श्री रामकिशुन चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317013	9598274914	जंगल धूषण, भठ्ठा कालोनी, पिपराइच, गोरखपुर
9	जया साहनी	श्री रामवक्ष	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317015	9005788197	महुआचाफी छत्रधारी टोला, जंगल धूसड़ गोरखपुर
10	ज्योती साहनी	श्री रामवक्ष साहनी	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317016	9793702445	महुआचाफी छत्रधारी टोला, जंगल धूसड़ गोरखपुर
11	कु0 खुशबू	श्री कमलेश प्रसाद	B.A. II	अनु0 जाति	UP06300317017	8737832126	जं0 पकडी, जं0 औंराही, गोरखपुर
12	खुशबू चौहान	श्री नरसिंह चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317018	8009734780	अहमद अली शाहपुर तुरा बाजार गोरखपुर
13	नम्रता पाण्डेय	श्री योगेन्द्र पाण्डेय	B.Com.II	सामान्य	UP06300317021	9454653709	लाला बाजार, पादरी बाजार गोरखपुर
14	पूजा साहनी	श्री रामप्रीत साहनी	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317065	9935433983	महुआचाफी छत्रधारी टोला, जंगल धूसड़ गोरखपुर
15	प्रियंका	श्री के. एस. भाई	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP06300317026	9795202739	आर्यपुरम कालोनी, जं.मातादीन पादरी बाजार गोरखपुर
16	प्रतिमा चौहान	श्री सुरेश चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317027	9935417621	गजपुर, गोरखपुर
17	रिंकी	श्री रविन्द्र विश्वकर्मा	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317028	9956478215	जं सुभान अली, उनौला दोयम, पिपराइच रोड, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 l h0 dkM	ekckby u0-	irk
18	रोली कुमारी	श्री राजकुमार	B.A. II	सामान्य	UP06300317031	8896652054	बिछिया हनुमान मंदीर पी.एस.सी कैम्प गोरखपुर
19	शिल्पी	श्री संतबली निषाद	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP06300317034	7785981599	हरसेवकपुर 2 टोला बडी जमुनहिया, जं लक्ष्मीपुर
20	सृष्टि श्रीवास्तव	श्री विजय कुमार श्रीवास्तव	B.A. II	सामान्य	UP06300317035	9125860292	मानस विहार कालोनी, पादरी बाजार गोरखपुर
21	आकृति सिंह	श्री अजय कुमार सिंह	B.Sc II	ओ0बी0सी0	UP0600317060	7267894357	विष्णुनगर कॉलोनी, भेड़ियागढ़, गोरखपुर
22	पुष्पा	श्री ज्ञानचन्द	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317067	7395084614	जंगल हाकिम नं0 2 मोहनापुर, गोरखपुर
23	रीमा प्रजापति	श्री रामसुभग प्रजापति	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317069	9795548778	हैदरगंज, जंगल धूसड़ गोरखपुर
24	सुधा चौरसिया	श्री राघव प्रसाद चौरसिया	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317073	9935969938	जंगल अहमद अलीशाह टोला रामपुर, जं0 औराही
25	दर्शिका गुप्ता	श्री कौशल कुमार गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317062	9369177835	पादरी बाजार, पार्वती पूरम, तिनकोनिया 1
26	वर्षा पाण्डेय	श्री संतोष पाण्डेय	B.Sc.II	सामान्य	UP0600317061	8707527510	शिवपुर साहबाजगंज, जं सालिकाराम, गोरखपुर
27	वेदिका गुप्ता	श्री नन्द किशोर गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317039	73787416	निकट काली मंदीर, गीता वाटिका, शाहपुर
28	अलका लाल	श्री शिब्बन लाल	B.Com.I	अनु0जाति	UP0600518001	7880637667	जटेपुर रेलवे कालोनी 161/जी, गोरखपुर
29	अराधना निषाद	श्री भरत निषाद	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518002	726703995	हसनगंज, जंगल धूसड़ गोरखपुर
30	अमृता गुप्ता	श्री गोपाल गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518003	835489059	पिपराइच–गो0 गढवा चौराहा
31	अंशिका यादव	श्री अमरनाथ यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518004	9616340180	मोगलापुरा उर्फ महमूदाबाद गोरखपुर
32	अंकिता चौधरी	श्री ऋषिकेश चौधरी	B.Com. II	ओ0बी0सी0	UP0600518005	7007672880	जंगल औराही, श्यामा टोला, गोरखपुर
33	अनुराधा चौधरी	श्री छोटेलाल चौधरी	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518006	9559659726	जंगल मातादीन, पादरी बाजार, गोरखपुर
34	अंकिता पासवान	श्री मंगरु प्रसाद	B.Com. I	अनु0जाति	UP0600518007	9956339597	गढवा मुँडरी, पिपराइच, गोरखपुर
35	इशिता श्रीवास्तव	श्री राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	B.Com. I	सामान्य	UP0600518008	9119960495	नारायण पूरम कॉलोनी
36	अल्का	श्री गनेश	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518009	9889711079	जंगल हकीम नं0 1 पादरी बाजार गोरखपुर
37	काजल तिवारी	श्री अखिलेश्वर नाथ तिवारी	B.Com. I	सामान्य	UP0600518010	8318421456	इन्द्रप्रस्थ कालोनी रामजानकी नं0, बशारतपुर
38	गरिमा जायसवाल	श्री चन्द्रभान जायसवाल	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518011	7068753433	बिछिया, जं0 तुलसीराम, आदर्शनगर गोरखपुर
39	गुन्जा प्रजापति	श्री मनोहर प्रजापति	B.A. I	अनु0जाति	UP0600518012	9559214622	ककरहियाँ, जंगल धूसड़, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
40	चित्रा स्वामी	श्री हरि किशन स्वामी	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518013	7236091250	बी/91 आवास विकास कालोनी शाहपुर
41	ज्योती पांचाल	श्री कौशल कुमार पांचाल	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518014	8382955541	शास्त्री नगर बिछिया पी.एस.सी कैम्प
42	ज्योति सिंह	श्री नर्बदा सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518015	8127751446	गोरखपुर आदित्यपुरी कालोनी
43	ज्योती साहनी	स्व. कोमल साहनी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518016		जंगल मातादीन, पादरी बाजार
44	ज्योतिकाश्री	श्री तानसेन	B.Com. I	अनु0जाति	UP0600518017	9598268613	शक्ति नगर कॉलोनी पूर्वी बशारतपुर आ0 मं0
45	तन्नु सिंह	श्री राजेश सिंह	B.A. I	सामान्य	UP0600518018	7068899526	पादरी बाजार , गोरखपुर
46	तान्या गुप्ता	श्री अनिल कुमार गुप्ता	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518019	9415691005	अम्बेडकर नगर, वार्ड नं0 6 पिपराइच
47	तन्नु साहनी	श्री रूपचन्द्र साहनी	B.Com.II	ओ0बी0सी0	UP0600518020	9452751953	गीतावाटिका, शाहपुर , गोरखपुर
48	दुर्गावती गुप्ता	श्री रमाशंकर	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518021	8953178045	कैथवलिया, उनौला, पिपराइच गोरखपुर
49	नेहा मिश्रा	श्री अरूण मिश्रा	B.Com. I	सामान्य	UP0600518022	7526079558	आदित्यपुरी, धर्मपुरी गीतावाटिका रोड
50	निशा	श्री राकेश कुमार	B.A. I	सामान्य	UP0600518023	7233873999	शताब्दी पुरम, निकट फातिमा अ.पा.बा. गोरखपुर
51	निशा सिंह	श्री गोरख सिंह	B.Sc.I	ओ0बी0सी0	UP0600518024	7071011917	वार्ड नं0 4 नियर– भुवनेश्वरी क.इ.का. पिपराइच
52	नूतन पाण्डेय	श्री ब्रहम्देव पाण्डेय	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518025	8873077061	महिला छात्रावास
53	नम्रता मिश्रा	श्री राकेश मिश्रा	B.Com. I	सामान्य	UP0600518026	9169739489	मानस बिहार कॉलोनी, पादरी बाजार
54	निशु चौहान	श्री अशोक चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518027	8423557202	जंगल छत्रधारी टोला मीरगंज झुँगिया बाजार
55	नीतू गुप्ता	श्री अमरनाथ गुप्ता	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518028	7607305034	वार्ड नं0 2 नगर पंचायत, पिपराइच
56	नीलू चौहान	श्री मनोहर लाल	B.Sc.I	ओ0बी0सी0	UP0600518029	9956024723	जंगल धूसड़ हैदरगंज, गोरखपुर
57	नेहा चौहान	श्री राजेश चौहान	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518030	8400870736	हरसेवकपुर, पादरी बाजार
58	नीतू कन्नौजिया	श्री रविन्द्र	B.Com. I	अनु0 जाति	UP0600518031	9005420973	रमवापुर, कुसम्ही बाजार, गोरखपुर
59	पूजा चौरसिया	श्री विक्रम प्रसाद	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518032	9794484463	जेल बाई पास रोड, पादर बाजार
60	प्रेमलता कुमारी	स्व. राजेन्द्र प्रसाद	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518033	7237830708	महिला छात्रावास
61	प्रोमा चौहान	श्री सुग्रिव चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518034	7054801040	मंझरिया, जं0 धूसड़ गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
62	पूनम जायसवाल	स्व. जोखन	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518035	7071020131	शिवपुर साहबाज, पादरी, गोरखपुर
63	प्रियंका साहनी	श्री राधेश्याम	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518036	8563887890	रतनपुर, पतरा, गोरखपुर
64	प्रमिला साहनी	श्री कष्ण भगवान	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518037	9598629762	जंगल अहमद अलीशाह, तुर्राबाजार
65	प्रिया वर्मा	श्री रामनिवास वर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518038	9193027309	वार्ड नं0 2 बजरंगनगर पिपराइच, गोरखपुर
66	पिंकी केशरी	श्री अंजनी केशरी	B.A. I	सामान्य	UP0600518039	7785860078	म0नं0 35 पादरी बाजार गोरखपुर
67	प्रिती सिंह	श्री विजय प्रताप सिंह	B.A. I	सामान्य	UP0600518040	9519272994	मोहनापुर पादरी बाजार गोरखपुर
68	प्रिती यादव	श्री बष्जवली यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518041	9936806976	चकदहॉ, पिपराइच गोरखपुर
69	पिंकी साहनी	श्री मंगरू साहनी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518042	9198986859	जंगल मातादीन पादरी बाजार, गोरखपुर
70	प्रतिमा साहनी	श्री जयहिन्द साहनी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518043	9935760777	छोटी रेलवहिया नौका टोला जंगल धूसड़, गोरखपुर
71	बबिता	श्री शंकर	B.A. I	अनु0जाति	UP0600518044	8400108476	बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़ गोरखपुर
72	बबिता गुप्ता	श्री हिरामन गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518045	9628556756	तुलसी देई पतरा, गोरखपुर
73	बबिता गुप्ता	श्री रामनयन गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518046	9695681084	कैथवलिया उनौला, पिपराइच, गोरखपुर
74	फात्युज्जमा खातून	श्री फिरोज खॉ	B.A. I	सामान्य	UP0600518047	9112542422	म0नं0 587 हैदरगंज पादरी बाजार गोरखपुर
75	ममता प्रजापति	श्री रविन्द्र प्रजापति	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518048	75718283355	हुमायुंपुर उत्तरी गोरखनाथ, गोरखपुर
76	मोनू तिवारी	श्री कल्याण मणि तिवारी	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518049		राइस मिल रोड मोहनापुर, गोरखपुर
77	माधुरी उपाध्याय	श्री मारकण्डेय उपाध्याय	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518050	8736819876	समस्तीपुर लेन प्रथम पी.एस.सी. कैम्प बिछिया गोरखपुर
78	मोनीका प्रजापति	श्री लालजी प्रजापति	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518051	9793835856	हरसेवकपुर नं0 2 बड़ी जमुनिहॉ पा.बा. गोरखपुर
79	मन्दाकिनी मिश्रा	श्री दत्तात्रेयमुनि मिश्रा	B.A. II	सामान्य	UP0600518052	8953399199	पतरा पिपराइच गोरखपुर
80	रमा वर्मा	श्री गणेश प्रसाद वर्मा	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518053	7068943901	शताब्दीपुरम, फातिमा अस्पताल, गोरखपुर
81	रत्नप्रिया शाही	श्री राजेन्द्र प्रताप शाही	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518054	7521996686	1931 शिवपुर सहबाजगंज पादरी बाजार गोरखपुर
82	रोशनी शर्मा	स्व. हरिहर शर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518055	7880689891	महुअवां खुर्द पिपराइच, गोरखपुर
83	रूखसार खातून	श्री मु0 सलीम	B.A. I	सामान्य	UP0600518056	9936679922	जंगल अहमद अलीशाह तुर्राबाजार गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना 2017–2018

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	oxl@tkfr	oh0 bl0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
84	ललिता गुप्ता	श्री सुरेश गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518057	9721077070	हैदरगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
85	लक्ष्मीना चौहान	श्री होतीलाल चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518058	8417817658	जंगल औराही, शिवमंदिर टोला पिपराइच गोरखपुर
86	वन्दना पाल	श्री इन्द्रजीत पाल	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518059	7007516493	जंगल हकीम नं0 2 पादरी बाजार गोरखपुर
87	वैष्णवी शुक्ला	श्री सुभाष शुक्ला	B.Com. I	सामान्य	UP0600518060	9838572951	पी.एस.सी. कैम्प बिछिया, गोरखपुर
88	वन्दना यादव	श्री भागवत यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518061	9956601533	पतरा पिपराइच गोरखपुर
89	शीतल गुप्ता	श्री दिलीप गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518062	8172829998	जंगल छत्रधारी महुआचाफी गोरखपुर
90	श्रेया शुक्ला	श्री जयशंकर शुक्ला	B.Sc. II	सामान्य	UP0600518063	9621888200	शक्तिनगर बगहा बाबा रोड़, गोरखपुर
91	शोभा गौतम	श्री रामललित गौतम	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518064	7408526803	धनहा नायक परतावल बाजार महाराजगंज
92	शिखा मल्ल	श्री रविप्रकाश मल्ल	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518065	9695538754	करजही, करजहाँ देवरिया
93	शिखा राय	श्री अजय कुमार राय	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518066	8354828336	वछड़ा महुआरी देवरिया
94	शिल्पा सिंह	श्री रामनिवास सिंह	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518067	9889169473	जंगल औराही श्यामा टोला, गोरखपुर
95	शगुन गुप्ता	श्री दिनेश गुप्ता	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518068	7309374646	वार्ड नं0 3 नगर पंचायत पिपराइच गोरखपुर
96	सुधा कुमारी	श्री रामकेवल	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518069	8847386230	उसवा वसिया खजनी गोरखपुर
97	सलोनी	श्री बृजेश कुमार निषाद	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518070	9889782691	जंगल हकीम नं0 1 मल्लाह टोला पादरी बाजार गोरखपुर
98	सलोनी दूबे	श्री रामनिवास दूबे	B.Com. I	सामान्य	UP0600518071	9889619415	शताब्दीपुरम फातिमा अस्पताल गोरखपुर
99	स्मिता यादव	श्री बलवंत यादव	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518072	9455083056	शिवपुर सहबाजगंज महुआ तिराहा गोरखपुर
100	संजु साहनी	श्री रामभवन साहनी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518073	9935219485	जंगल औराही शिव मंदिर टोला तुर्राबाजार गोरखपुर

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना 2017–2018

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

x# Jh xkj{kukFk bdkbZ e sa p;fur lnL;ks dk oxZokj l a[;k

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	02	01	00	00	00	03
छात्रा	23	67	07	00	00	97
योग	**25**	**68**	**07**	00	00	**100**

(डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह)
कार्यक्रम अधिकारी
मो0–9450489652

(डॉ0. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य
मो0–9794283696

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2017–18

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई–सदस्यों की सूची

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
1	**आकाश कुमार गुप्ता**	श्री राम गुप्ता	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600317077	9415934529	जंगल धूसड़, भट्ठा कालोनी गोरखपुर
2	**अमर मिश्रा**	श्री प्रमोद कुमार मिश्रा	B.A.II	सामान्य	UP0600317079	8172904508	शास्त्रीपुरम एल.आई.जी. 56 गोरखनाथ, गोरखपुर
3	**अखिलेश सिंह**	श्री मोहन सिंह	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600317081	7905841861	शिव शक्ति नगर कालोनी, पादरी बाजार गोरखपुर
4	**अश्वनी पाण्डेय**	श्री दिग्विजय पाण्डेय	B.A. II	सामान्य	UP0600317084	9198103563	बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़, गोरखपुर
5	**अविनाश कुमार निषाद**	श्री रामआसरे	B.A. III	ओ0बी0सी0	UP0600317085	9616313466	जंगल अहमद अली शाह तुर्रा बाजार, गोरखपुर
6	**अनूप कुमार**	श्री बिरेन्द्र कुमार गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317089	9120026049	बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़, गोरखपुर
7	**दीनू चौरसिया**	श्री भजुराम प्रसाद	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317095	9794661769	तुलसी देई, बशहवा, पतरा बाजार गोरखपुर
8	**दीपक मिश्रा**	श्री विनोद मिश्रा	B.A. III	सामान्य	UP0600317098	9670332268	पिपरटोलवा, भुलही, कुशीनगर
9	**दुर्गेश साहनी**	श्री रविन्द्र साहनी	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317099	7521992015	कप्तानगंज, वार्ड नं0 17 कुशीनगर
10	**गजेन्द्र उपाध्याय**	श्री आद्या उपाध्याय	B.Sc. II	सामान्य	UP0600317101	7390909045	मानस बिहार कालोनी, पादरी बाजार गोरखपुर
11	**मनीष कुमार शर्मा**	श्री कौशल कुमार शर्मा	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600317108	7619883886	महेशपुर, बौरडीह रूद्रपुर, देवरिया
12	**पन्नेलाल कुमार**	श्री रामनरायन	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317110	8858543662	बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़, गोरखपुर
13	**मनीष कुमार त्रिपाठी**	श्री अनिल कुमार त्रिपाठी	B.Com. II	सामान्य	UP0600317112	9792865277	221ए, गायत्रीपुरम नकहा नं0 1 बशारतपुर गोरखपुर
14	**माघवेन्द्र मिश्रा**	श्री गिरिजेश नरायन मिश्रा	B.Sc. II	सामान्य	UP0600317114	7071882300	गोपलापुर, नई शिवपुरी कालोनी, गोरखपुर
15	**राहुल गिरि**	श्री चन्द्र प्रकाश गिरि	B.A. II	सामान्य	UP0600317115	7309753714	दिग्विजयनगर, कालोनी उत्तरी हुमायुँपुर गोरखपुर
16	**रत्नेश नाथ योगी**	श्री महेशनाथ योगी	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600317122	8948850256	13 जे0 ज्ञानपुरम जंगल मातादीन पादरी बाजार, गोरखपुर
17	**शैलेष कुमार चौरसिया**	श्री रामकिशुन चौरसिया	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317129	9458837907	तुलसी देई पतरा बाजार, गोरखपुर

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
18	शैलेन्द्र प्रजापति	श्री चन्द्रिका प्रजापति	B.A. III	ओ0बी0सी0	UP0600317133	9935823800	हैदरगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
19	विक्रम जायसवाल	श्री शिव कुमार जायसवाल	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600317136	8896175811	दाण्डी खास, गोला रोड गोरखपुर
20	विवेक विश्वकर्मा	श्री विनोद विश्वकर्मा	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600317137	9506206398	नाहरपुर मुलहरिया बाजार, गोरखपुर
21	अनुपम कुमार	श्री इन्द्रपाल चौहान	B.A.I	ओ0बी0सी0	UP0600518074	9598045663	खलिक गद, नौतनवां महराजगंज
22	अनुपम चौहान	श्री सुरेश चंद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518075	9935417621	हैदरगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
23	अमित शर्मा	श्री चन्द्रकांत शर्मा	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518076	9838737604	सिहांसनपुर विछिया, गोरखपुर
24	अभिषेक जायसवाल	श्री राधेश्याम जायसवाल	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518077	8896032551	महादेवपुरम, राप्तीनगर, गोरखपुर
25	आशीष यादव	श्री भोला यादव	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518078	7786041899	महेशपुरम कालोनी, बी.आर.डी. मेडिकल कालेज गोरखपुर
26	अनूप प्रजापति	श्री रामाशंकर प्रजापति	B.A.II	ओ0बी0सी0	UP0600518079	9616602427	हरसेवक नं0 2 जमुनहिया लक्ष्मीपुर, गोरखपुर
27	अकाश यादव	श्री राजेश यादव	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518080	9598828199	बलुआ नं0 2 पिपराइच कुशीनगर
28	अजय यादव	श्री रामनारायण यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518081	9473721165	उत्तरी जटेपुर रेलवे कालोनी, गोरखपुर
29	अमरनाथ पाण्डेय	श्री मारकण्डेय पाण्डेय	B.A. I	सामान्य	UP0600518082	8574467144	नई बस्ती हैदरगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
30	अमष्त कुमार	श्री शिवचरन कुमार	B.A. I	अनु0 जाति	UP0600518083	8840128778	सुकरौली, मुण्डेरा, कुशीनगर
31	अमन कुमार राना	श्री अनिल कुमार राना	B.A. I	सामान्य	UP0600518084	9807718195	जंगल तुलसीराम खजुरिया टोला विछिया, गोरखपुर
32	अनुप वर्मा	संतोष कुमार वर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518085	7310322829	जंगल मातादीन पादरी बाजार, गोरखपुर
33	अनुराग चतुर्वेदी	श्री शरदेन्दु कुमार चतुर्वेदी	B.Com. I	सामान्य	UP0600518086	8423644975	कल्यानपुर काजीपुर कला, गोरखपुर
34	अरूण साहनी	श्री खदेरू साहनी	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518087	7754865378	बोदना, ठुठीवारी निचलौल, महराजगंज
35	आकाश यादव	श्री संजय यादव	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518088	7081564820	माँगाकोडर, रूद्रपुर, देवरिया
36	आदित्यनाथ	श्री राजकिशोर	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518089	7784897775	तुलसीदेई पतरा बाजार, गोरखपुर
37	आदित्य श्रीवास्तव	श्री धीरेन्द्र श्रीवास्तव	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518090	9918100015	अशोकनगर कालोनी गोरखनाथ, गोरखपुर
38	ओमकार विश्वकर्मा	श्री रामनरायन विश्वकर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518091	8739036026	मोहनापुर पादरी बाजार, गोरखपुर
39	कमलेश विश्वकर्मा	श्री गोविन्दलाल विश्वकर्मा	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518092	7393910609	जंगल छत्रधारी, महुआचाफी जंगल धूसड़, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	oxZ@tkfr	oh0 bZ0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
40	केसरीनंदन पाण्डेय	श्री नारद मुनि पाण्डेय	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518093	7071138020	रानीपुर पिपराइच, महराजगंज
41	कृष्ण कुमार सिंह	श्री संजय सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518094	8576826327	पटखैली कप्तानगंज, कुशीनगर
42	किशन शर्मा	श्री रविन्द्र शर्मा	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518095	9525978908	मोहनापुर चौहान टोला पादरी बाजार, गोरखपुर
43	गिरिजेश चौहान	श्री संत कुमार चौहान	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518096	8601737288	रामनगर कालोनी जंगल मातादीन, गोरखपुर
44	देवेश कुमार यादव	श्री रामगोविन्द यादव	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600518097	8858523755	उतरी हुमायुँ, जागेश्वर गोरखनाथ, गोरखपुर
45	दयानन्द चौहान	श्री हरिराय चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518098	9621768808	जंगल अहमद अलीशाह तुर्राबाजार, गोरखपुर
46	नितीश कुमार सिंह	श्री ओम प्रकाश सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518099	8896157602	तरीपिपरा, पिपराइच, गोरखपुर
47	नर्वदेश्वर सिंह	श्री विद्या सिंह	B.A. I I	ओ0बी0सी0	UP0600518100	9936010351	पतरा बाजार पिपराइच रोड, गोरखपुर
48	नवनीत कश्यप	श्री सुरेन्द्र कुमार कश्यप	B.Sc.I	ओ0बी0सी0	UP0600518101	9839131952	1/x मीरा सदन, गीता वाटिका शाहपुर गोरखपुर
49	प्रिंस कुमार विश्वकर्मा	श्री जनार्दन विश्वकर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518102	8564019837	नारायणपुरम कालोनी जंगल हकीम नं0 2 गोरखपुर
50	प्रवीन कुमार	श्री राकेश कुमार	B.Sc. I	अनु0जाति	UP0600518103	7236045554	विछिया जंगल तुलसीराम वार्ड नं0 22 सालिकराम गोरखपुर
51	प्रशान्त राय	श्री रजनीकांत राय	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518104	8601104044	शक्तिनगर कालोनी बशारतपुर, गोरखपुर
52	पिन्टु कुमार सिंह	श्री विजयेश सिंह	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518105	8932864688	बैकुण्ठपुर प्रतापपुर देवरिया
53	प्रभात शेखर आजाद	श्री रमाशंकर आजाद	B.A. II	अनु0जाति	UP0600518106	9125681410	जंगल मातादीन, पादरी बाजार गोरखपुर
54	प्रद्युमन निषाद	श्री त्रिलोकी निषाद	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518107	9839337565	महला घेचउवा संतकबीरनगर
55	पंकज कुमार यादव	श्री राजेन्द्र यादव	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518108	8400874182	सिधावल महुअरिया पिपराइच, गोरखपुर
56	बालकष्ण मिश्रा	श्री अनिरूद्ध कुमार मिश्रा	B.Com. I	सामान्य	UP0600518109	9554225460	मानस विहार कालोनी संगम चौराहा, गोरखपुर
57	बृजेश कुमार मद्येशिया	श्री प्रदीप कुमार मद्धेशिया	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518110	9737923494	वार्ड नं0 2 नरकटिया, पिपराइच गोरखपुर
58	भीम कुमार	श्री रामबड़ाई चौहान	B.Sc.II	ओ0बी0सी0	UP0600518111	7570064452	करही पाण्डेय, पकड़ी बाजार देवरिया
59	मन्दीप कुमार गुप्ता	श्री राधेश्याम गुप्ता	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518112	7052032829	जंगल धूसड़, गोरखपुर
60	मनीष कुमार वर्मा	श्री सुनील कुमार वर्मा	B.Com.I	ओ0बी0सी0	UP0600518113	9005222901	रामजानकी नगर नकहा नं0 1 यादव टोला गोरखपुर
61	मुकेश वर्मा	श्री बलराम वर्मा	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518114	7707857701	पोखरभिण्डा, चौरी–चौरा, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
62	मयंक तिवारी	श्री जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी	B.A. I	सामान्य	UP0600518115	7348437948	केयर आफ एग्रोट्रेडिंग सेण्टर पार्क रोड गोरखपुर
63	योगेश विश्वकर्मा	श्री अनिल विश्वकर्मा	B.Sc.I	ओ0बी0सी0	UP0600518116	8400025914	सोहनी कप्तानगंज, कुशीनगर
64	राजीव पासवान	श्री जितेन्द्र पासवान	B.A. I	अनु0जाति	UP0600518117	9807973728	सेमरा नं0 1, चरगॉवा गोरखपुर
65	राजकिशन यादव	श्री जगदीश यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518118	8009200969	पतराबाजार पिपराइच रोड, गोरखपुर
66	रविन्द्र मद्धेशिया	श्री ओम प्रकाश मद्धेशिया	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518119	7880452841	वार्ड नं0 2 अम्बेडकर नगर पिपराइच, गोरखपुर
67	रोहित कुमार निषाद	श्री भगवान दास	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518120	8726788975	वार्ड नं0 अम्बेडकर नगर पिपराइच, गोरखपुर
68	राकेश कुमार चौरसिया	श्री जगरोपन चौरसिया	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518121	8429279238	पकड़ी खिरकिता दूबे, जिला गोरखपुर
69	राहूल चौहान	श्री अभयचन्द चौहान	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518122	9415336424	वड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़, गोरखपुर
70	राहुल चौहान	श्री हेमन्त चौहान	B.A.II	ओ0बी0सी0	UP0600518123	9793822024	हैदरगंज जंगल धूसड़, गोरखपुर
71	राहुल दुबे	श्री रमेश दुबे	B.Com. II	सामान्य	UP0600518124	8417001680	अगस्ता सलामतपुर, गाजीपुर
72	राजन विश्वकर्मा	श्री कमलेश विश्वकर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518125	8052522262	पिपरही विजयी काफ सुकरौली कुशीनगर
73	विपुल सिंह	श्री नन्दलाल सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518126	9455636702	जंगल हकीम नं01 दुर्गा मंदिर बाई पास रोड पादरी बाजार
74	विशाल कुमार गुप्ता	श्री मदन गुप्ता	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518127	9598482537	गगरा सरदार नगर चौरी–चौरा, गोरखपुर
75	विमल चौधरी	श्री शिवप्रकाश चौधरी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518128	8127882975	बरवा बावु, पिपराइच गोरखपुर
76	विवेकानन्द पाण्डेय	श्री बम्हानन्द पाण्डेय	B.A. I	सामान्य	UP0600518129	7398520309	35/p शिवपुर सहबाजगंज जं0 सालिकराम गोरखपुर
77	वृजमोहन निषाद	श्री घरभरन निषाद	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518130	8545051512	करमहाँ नैय्यापार पिपराइच, गोरखपुर
78	विजय यादव	श्री वीरेन्द्र यादव	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518131	8112906404	पतरा बाजार पिपराइच रोड, गोरखपुर
79	शैलेश चौहान	श्री संतोष कुमार चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518132	9795161807	चकसा हुसैन पचपेड़वा, बशारतपुर, गोरखपुर
80	शुभम मिश्रा	श्री कौशल मिश्रा	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518133	7071564578	ब्रहमपुर चौरी–चौरा, गोरखपुर
81	शिवम श्रीवास्तव	श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518134	9956059518	भटहट रोड़ पिपराइच, गोरखपुर
82	शनि कुमार चौहान	श्री पन्नेलाल चौहान	B.Sc.I	ओ0बी0सी0	UP0600518135	8726801203	जंगल औराही, हाटा टोला पिपराइच गोरखपुर
83	हिमांशु दुबे	श्री राधारमण दुबे	B.Sc.II	सामान्य	UP0600518136	7844077585	25/R बैंक कालोनी, पादरी बाजार, गोरखपुर

Ø-l-	uke	firk dk uke	d{kk	ox@tkfr	oh0 b0 lh0 dkM	ekckby u0-	irk
84	**हिमांशु गुप्ता**	श्री कमलेश कुमार गुप्ता	B.A.II	ओ0बी0सी0	UP0600518137	8182056167	जंगल तिनकोनिया नं0 1 पार्वतीपुरम पादरी बाजार गोरखपुर
85	**सैय्यद सावरी हसन**	श्री सैय्यद शब्बीर हसन	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518138	7084587463	जंगल तिनकोनिया नं0 1 मोहम्मदनगर पादरी बाजार गोरखपुर
86	**सचिदानन्द चौहान**	श्री भागवत चौहान	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518139	9559716249	बैतालगढ़ भट्ठा चौरहा जंगल धूसड़ गोरखपुर
87	**सुर्यप्रताप सिंह**	श्री विजय बहादुर सिंह	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518140	9918283103	चौहरा, सिद्धार्थनगर
88	**संदीप यादव**	श्री रामप्रवेश यादव	B.Com.I	ओ0बी0सी0	UP0600518141	7860224439	पवन विहार, नन्दा विहार गोरखपुर
89	**संदीप गुप्ता**	श्री इन्द्रजीत शुक्ला	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600518142	7379203506	बसडीला धौडीह तिवारी, देवरिया
90	**सितांशु रंजन**	श्री विपिन विहारी श्रीवास्तव	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518143	7525883608	सरदार पटेल नगर, पादरी बाजार गोरखपुर
91	**संदीप कुमार रावत**	श्री जितेन्द्र कुमार	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518144	8738987161	फतेहपुर, देवरिया
92	**शुभम कुमार वैश्य**	श्री बुद्धिराम वैश्य	B.A.II	ओ0बी0सी0	UP0600518145	7499869882	रामलीला मैदान पिपराइच गोरखपुर
93	**सौरभ भारगव**	श्री रविन्द्र प्रताप भार्गव	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518146		जंगल तिनकोनिया नं0 1 पादरी बाजार, गोरखपुर
94	**सुधांशु**	श्री दिनेश साहनी	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600518147	9115268625	महला घेचुआ संतकबीर नगर
95	**सत्येन्द्र गौड़**	श्री प्रहलाद गौड़	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518148	7318323189	भगतपुरवाँ, पादरी बाजार, गोरखपुर
96	**सुभाष कुमार सिंह**	श्री हरिशंकर सिंह	B.Sc. I	सामान्य	UP0600518149	7237985438	रामपुर नयागाँव राजेन्द्र नगर गोरखपुर
97	**सौरभ ओझा**	श्री अयुगनरायन ओझा	B.A. I	सामान्य	UP0600518150	8181846030	सर्वोदय नगर, कालोनी रूस्तमपुर गोरखपुर
98	**मनोज कुमार निषाद**	श्री कुन्जल निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518151	7525851662	हैदरगंज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
99	**राम नगीना निषाद**	श्री छेदी निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600518152	9695711817	हैदरगंज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
100	**सुधीर कुमार सिंह**	श्री जयप्रकाश सिंह	B.Com. I	सामान्य	UP0600518153	8896339697	जंगल तुलसीराम विछिया पी.ए.सी.कैम्प, गोरखपुर

fgUnqvk lh;l egkjk.kk izrki bdkbZ e: p;fur lnL;ksa dk oxZokj l[;k

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	27	69	04	00	00	100
छात्रा	00	00	00	00	00	00
योग 27	**69**	**04**	00	00	**100**	

(डॉ0 यशवंत कुमार राव)
कार्यक्रम अधिकारी
मो0–9198540757

(डॉ0. प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य
मो0–9794283696